• जयपुर, रविवार 28 जून 26 • वर्ष 15 • अंक 240 • पृष्ठ : 8 • मूल्य : 1 रुपये

www.chamaktarajasthan.in| Email : chamaktarajasthan8789@gmail.com

डाक पंजीयन संख्याः RJ/JPC/D19/2024-25

RNI. No. RAJHIN/2011/40950

राज्य तथा केंद्र द्वारा मान्यता प्राप्त

सच के साथ मजबूती से बढ़ाये क़दम

सुविचार

''सत्य को हज़ार तरीकों से बताया जा सकता है, फिर भी हर एक सत्य ही होगा।''

● स्वामी विवेकानंद

चमकता राजस्थान

जयपुर से प्रकाशित एवं प्रसारित

विज्ञापन के लिए : 93145 05000

अजमेर, सीकर, झुंझनुं, सवाईमाधोपुर, चित्तौड़गढ़, बूँदी, धौलपुर, हिडौन, भरतपुर, झालावाड़, जोधपुर, ब्यावर, जालोर, करौली, नागौर बीकानेर से प्रसारित

अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस

मुख्यमंत्री ने की एमएसएमई, हस्तशिल्प, स्टार्टअप एवं इलेक्ट्रॉनिक्स क्षेत्र के लिए कई महत्वपूर्ण घोषणाएं

विरासत को सहेजकर विकास की ओर अग्रसर हो रहा राजस्थान

33 लाख से अधिक एमएसएमई के साथ राजस्थान देश का चौथा सबसे बड़ा राज्य : मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

चमकता राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम प्रदेश की आर्थिक प्रगति, रोजगार सृजन और आत्मनिर्भरता के आधार हैं। राज्य सरकार युवाओं को उद्यमिता के लिए प्रोत्साहित करने, स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने तथा विकास और विरासत के समन्वय के साथ राजस्थान को देश का अग्रणी औद्योगिक राज्य बनाने की दिशा में निरंतर प्रयास कर रही है।

मुख्यमंत्री शनिवार को अंतर्राष्ट्रीय एमएसएमई दिवस पर जयपुर के कॉन्स्टीट्यूशनल क्लब में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सरकार की नीतियों, प्रयासों एवं हमारे उद्यमियों के साहस, आत्मविश्वास और कर्मठता के चलते 33 लाख से अधिक एमएसएमई उद्यमों के साथ राजस्थान आज देश का चौथा सबसे बड़ा एमएसएमई राज्य बन गया है। प्रदेश की डबल इंजन सरकार उद्योगों और उद्यमिता को प्रोत्साहित करने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही है। राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट ने प्रदेश में निवेश और औद्योगिक विकास का एक नया विश्वास स्थापित किया है।

एक साल में 1600 से अधिक औद्योगिक भूखंड आवंटित

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश की डबल इंजन सरकार द्वारा उद्योगों हेतु भूमि उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए डायरेक्ट अलॉटमेंट पॉलिसी-2025 लागू की गई है, जिसके चलते पिछले एक वर्ष में राज्यभर में 1600 से अधिक औद्योगिक भूखंडों का आवंटन किया गया है। वहीं, 23 प्राथमिक क्षेत्रों में जरूरी सुधार लागू किए हैं। साथ ही, शहरी क्षेत्रों में एमएसएमई इकाइयों के लिए लैंड यूज अप्रूवल की समय-सीमा 60 दिनों से घटाकर 30 दिन, उद्योग शुरू करने में दी जाने वाली स्वीकृति जारी करने की समय-सीमा 120 दिनों से घटाकर 30 दिन कर दी गई है। इसी प्रकार गैर-प्रदूषणकारी उद्योगों की व्हाइट कैटेगरी सूची को 104 से बढ़ाकर 877 उद्योगों तक विस्तारित किया है, जिससे हजारों एमएसएमई को राहत मिली है।

उन्होंने कहा कि सरकार भविष्य की अर्थव्यवस्था को ध्यान में रखते हुए राज्य में सोलर पैनल मैन्यूफैक्चरिंग पार्क, सिरेमिक पार्क, डाटा सेंटर पार्क और डिफेंस मैन्यूफैक्चरिंग पार्क जैसे नए औद्योगिक केंद्र विकसित कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार विकसित ग्राम-वार्ड अभियान के माध्यम से विकास का रोडमैप तैयार कर रही है। इसके माध्यम से हर जिले में स्थानीय उत्पादों को वैश्विक पहचान दिलाने के लिए कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि युवा स्थानीय कृषि उत्पादों के आधार पर प्रोसेसिंग यूनिट लगाकर रोजगार प्रदाता बनने की दिशा में आगे बढ़ें।

उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि सरकार उद्योगों के अनुकूल वातावरण तैयार करने के लिए रीति-नीति एवं योजनाएं तैयार कर रही है। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार ने 33 नए औद्योगिक क्षेत्र विकसित किए हैं। इसके लिए वित्तीय और प्रशासनिक स्वीकृति भी दे दी गई है।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री के. के. विश्नोई ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार नवाचार, सुशासन और प्रभावी प्रबंधन के माध्यम से एमएसएमई, कौशल विकास तथा उद्योग क्षेत्र को नई गति दे रही है।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने राजस्थान औद्योगिक विकास नीति, ओडीओपी कॉफी टेबल बुक का विमोचन और रैम्प (राइजिंग एंड एक्सीलरेटिंग एमएसएमई परफॉर्मेंस) पोर्टल का शुभारंभ किया। उन्होंने उद्योग एवं वाणिज्य विभाग की विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को ऋण, अनुदान तथा सब्सिडी के 13 करोड़ रुपये से अधिक के चैक और रीको की योजनाओं के लाभार्थियों को भूमि आवंटन पत्र व ऑफर लेटर प्रदान किए। इस दौरान उद्यमी हितेश अग्रवाल, शशिकांत अग्रवाल, डॉ. अश्विनी बगड़िया एवं अभिषेक ने मुख्यमंत्री से संवाद करते हुए राज्य सरकार की उद्योग प्रोत्साहन की योजनाओं के लिए आभार जताया।

मुख्यमंत्री ने की अहम घोषणाएं

» हस्तशिल्पियों, बुनकरों एवं सूक्ष्म उद्यमों के उत्पादों के लिए पीपीपी मॉडल पर हाटों का विकास एवं संचालन, पहले चरण में पुष्कर, नाथद्वारा, जैसलमेर और अलवर में हाटों का होगा विकास

» पंच गौरव योजना में चिन्हित प्रजातियों एवं वनस्पति संबंधी प्रसंस्करण इकाइयों को वन डिस्ट्रिक्ट, वन प्रोडक्ट योजना में वित्तीय सहायता

» रिप्स में एमएसएमई के लिए कैपिटल सब्सिडी की अवधि 10 वर्ष से घटाकर 7 वर्ष

» इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र के लिए मैन्यूफैक्चरिंग पैकेज के तहत चयनित कंपोनेंट श्रेणियों के लिए रिप्स–2024 में न्यूनतम निवेश की सीमा घटाकर 15 करोड़ रुपये

» वर्तमान में रिप्स–2024 के अंतर्गत अधिकतम 3 चरणों में निवेश की अनुमति है। अब भारत सरकार की ईसीएमएस योजना के अंतर्गत आने वाली परियोजनाओं को 5 चरणों में निवेश की अनुमति

» इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर क्षेत्र में कौशल एवं प्रशिक्षण के लिए महिला एवं दिव्यांग कार्मिकों का अधिकतम भत्ता 4 हजार से बढ़ाकर 6 हजार रुपये प्रतिमाह

» राजस्थान वेंचर कैपिटल फंड के माध्यम से इस वर्ष 25 नए स्टार्टअप्स को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाएगी।

कार्यक्रम में सांसद मंजू शर्मा, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल और आयुक्त नीलाभ सक्सेना सहित विभाग के अन्य वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज अपडेट

हैदराबाद में अमेरिकी राष्ट्रपति के नाम पर सड़क, ट्रंप बोले- सम्मान पाने वाला पहला शख्स

हैदराबाद/एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नाम पर तेलंगाना की राजधानी हैदराबाद में एक सड़क का नाम रखा गया है. इस पर उन्होंने प्रतिक्रिया जाहिर की है. सोशल ट्रुथ पर ट्रंप ने एक पोस्ट शेयर किया है. बता दें, हैदराबाद में अमेरिकी कॉन्सुलेट ऑफिस के पास इस सड़क का नाम रखा गया है. सोशल ट्रुथ पर ट्रंप ने उस पट्टिका को भी शेयर किया है, जिसमें इसकी घोषणा की गई है. उन्होंने सड़क का नाम उनके नाम पर रखे जाने पर सरकार को धन्यवाद दिया. उन्होंने कहा कि यह सम्मान पाने वाले वे पहले अमेरिकी राष्ट्रपति हैं. बता दें, इस महीने की 23 तारीख को अमेरिका के 250वें स्वतंत्रता दिवस के मौके पर हैदराबाद में एक पार्टी रखी गई थी. इस जश्न के हिस्से के तौर पर, डिप्टी चीफ मिनिस्टर भट्टी विक्रमार्क ने अमेरिकी एम्बेसडर सर्जियो गोर के साथ मिलकर हैदराबाद में अमेरिकी कॉन्सुलेट के बगल वाली सड़क का नाम 'डोनाल्ड ट्रंप एवेन्यू' रखते हुए एक खास पट्टिका का अनावरण किया.

अफगानिस्तान में आया 6.2 तीव्रता का भूकंप, दिल्ली से जम्मू-कश्मीर तक महसूस हुए झटके

नईदिल्ली/एजेंसी। अफगानिस्तान के हिंदूकुश में शाम 7 बजे के करीब 6.2 तीव्रता का भूकंप आया है। इसका असर भारत में भी देखने को मिला है। दिल्ली- एनसीआर से लेकर जम्मू-कश्मीर तक भूकंप के झटके महसूस किए गए। चंडीगढ़, पंजाब और हरियाणा के साथ ही हिमाचल प्रदेश में भी धरती कांप उठी। इसके अलावा 6 देशों- पाकिस्तान, चीन, ताजिकिस्तान, उज्बेकिस्तान, किर्गिस्तान और तुर्कमेनिस्तान में भी लोगों ने झटके महसूस किए। राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अनुसार, भूकंप का केंद्र पूर्वोत्तर अफगानिस्तान में कालाफगान से करीब 81 किलोमीटर दूर धरती की सतह से 215 किलोमीटर की गहराई में था। वहीं, अमेरिका के जियोलॉजिकल सर्वे के अनुसार, भूकंप उत्तर-पूर्वी अफगानिस्तान में जुर्म से 43 किलोमीटर दक्षिण में आया था।

प्रधानमंत्री 27 से 29 जून तक सेशेल्स के राजकीय दौरे पर

पीएम मोदी रचने जा रहे हैं इतिहास पहली बार होगा महा-भाषण!

विक्टोरिया/एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 11 साल के लंबे इंतजार के बाद एक बेहद खास और बड़े मिशन पर खूबसूरत द्वीपीय देश सेशेल्स पहुंच चुके हैं. सेशेल्स के राष्ट्रपति डॉ पैट्रिक हर्मिनी के खास बुलावे के बाद पीएम मोदी 27 से 29 जून 2026 तक इस रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण देश की राजकीय यात्रा पर रहेंगे. इस ऐतिहासिक दौरे का सबसे बड़ा कारण राष्ट्रीय दिवस पर 'गोल्डन जुबली' समारोह है, जिसमें पीएम मोदी 'गेस्ट ऑफ ऑनर' के रूप में शामिल हो रहे हैं. पीएम मोदी आसमान के रास्ते सेशेल्स पहुंचे और समंदर के रास्ते इस देश में भारतीय नौसेना लैंड हो गई है. इस ग्रैंड एंट्री के पीछे भारत की बड़ी रणनीती है. पीएम मोदी की सेशेल्स यात्रा हिंद महासागर क्षेत्र में भारत के बढ़ते प्रभाव और चीन की बढ़ती हरकतों के बीच सुरक्षा और दोस्ती का एक नया अध्याय लिखने की शुरुआत है.

● पीएम मोदी के सेशेल्स पहुंचते ही हुआ ग्रैंड वेलकम

जब प्रधानमंत्री का विशेष विमान सेशेल्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर उतरा, तो खुद वहां के शीर्ष नेताओं और अधिकारियों ने प्रोटोकॉल तोड़कर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. एयरपोर्ट से लेकर सड़कों तक दोनों देशों के झंडे लहरा रहे हैं. चारों तरफ 'मोदी-मोदी' के नारे सुनाई दिए. ये दौरा इसलिए भी बहुत ज्यादा खास है क्योंकि इस साल भारत और सेशेल्स के बीच राजनयिक संबंधों की स्थापना की भी 50वीं वर्षगांठ मनाई जा रही है. ये दोस्ती आपसी भरोसे, लोकतांत्रिक मूल्यों और दोनों देशों के लोगों के बीच के गहरे जुड़ाव पर टिकी हुई है. पीएम मोदी के कदम रखते ही सेशेल्स के मीडिया से लेकर गलियारों तक सिर्फ भारत की ही चर्चा हो रही है.

● अब 'महासागर' विजन से बदलेगी दुनिया!

पीएम मोदी ने दिल्ली से रवाना होने से पहले अपने बयान में एक बेहद दिलचस्प बात कही थी. उन्होंने सेशेल्स को भारत का एक बेहद अहम समुद्री पड़ोसी और 'विजन महासागर' का जरूरी पार्टनर बताया. दरअसल, यह भारत की वह महत्वाकांक्षी नीति है जिसके तहत हिंद महासागर क्षेत्र में आने वाले सभी देशों की सुरक्षा, शांति और आर्थिक प्रगति को एक साथ आगे बढ़ाया जाएगा. इस बार पीएम मोदी और राष्ट्रपति हर्मिनी के बीच होने वाली द्विपक्षीय बातचीत का मुख्य एजेंडा भी यही 'महासागर' विजन होने वाला है. इसके तहत समुद्र के रास्ते होने वाले अवैध कारोबार और घुसपैठ को पूरी तरह से रोकने का प्लान तैयार किया गया है.

इस दौरे पर कुछ ऐसा होने जा रहा है जो आज से पहले इतिहास में कभी नहीं हुआ. पीएम मोदी आज सेशेल्स की नेशनल असेंबली को संबोधित करने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री बनने जा रहे हैं.

● भारतीय सेना भी पहुंची सेशेल्स, नौसेना के दो युद्धपोत तैनात!

इस दौरे की गंभीरता और दोनों देशों के मजबूत सैन्य रिश्तों का अंदाजा आप इस बात से लगा सकते हैं कि सेशेल्स के इस नेशनल डे सेलिब्रेशन में सिर्फ पीएम मोदी ही नहीं पहुंचे हैं, बल्कि समंदर के रास्ते भारतीय नौसेना भी वहां लैंड कर चुकी है. भारतीय सशस्त्र बलों की एक शानदार टुकड़ी वहां की मुख्य परेड में हिस्सा ले रही है. इतना ही नहीं, भारतीय नौसेना के दो आधुनिक युद्धपोत भी इस खास जश्न में शामिल होने के लिए सेशेल्स के समुद्री तट पर पहुंच चुके हैं. ये पूरी दुनिया को, खासकर हिंद महासागर में नजरें गड़ाए बैठे दुश्मनों को एक बड़ा और सीधा संदेश है कि भारत अपने दोस्तों की सुरक्षा के लिए हमेशा मुस्तैद खड़ा है और जरूरत पड़ने पर उसकी सेनाएं कुछ ही पलों में मदद के लिए पहुंच सकती हैं.

कर्नाटक के नेशनल हाईवे 63 पर लॉरी ने कार को टक्कर मारी, पांच श्रद्धालुओं की मौत, दो गंभीर

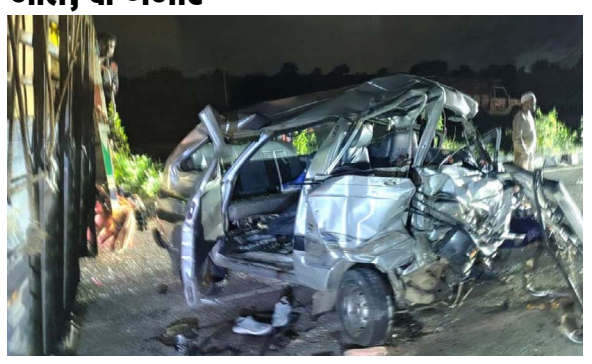

कोप्पल/एजेंसी। कोप्पल जिले में शनिवार सुबह हुए एक सड×क हादसे में पांच श्रद्धालुओं की मौत हो गई और दो की हालत गंभीर है. यह दुर्घटना में कुकनूर तालुक में नेशनल हाईवे 63 पर हुई.

पुलिस के मुताबिक, हावेरी जिले के लोग ओमनी गाड़ी से आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले में स्थित प्रसिद्ध तीर्थस्थल मंत्रालयम जा रहे थे. हादसा तब हुआ जब नेशनल हाईवे 63 पर दूसरी तरफ से आ रही एक लॉरी का ड्राइवर वाहन पर नियंत्रण खो बैठा और वह डिवाइडर पार करके दूसरी तरफ से आ रही ओमनी गाड़ी से टकरा गई.

उन्होंने बताया कि इस दुर्घटना में केंचम्मा बालेकाई (35), अमृता कोटियाल (25), रमेश बेल्लारी (45) और प्रवीण बालेकाई (23) की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि गंभीर रूप से घायल चिन्मय (30) ने कोप्पल जिला अस्पताल में दम तोड़ दिया. उन्होंने बताया कि हादसे में घायल छह अन्य लोगों को कोप्पल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जिनमें से दो की हालत गंभीर है.

हादसे की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने घटनास्थल पर जाकर स्थिति का जायजा लिया. पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है.

कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने हादसे पर दुख जताया और राज्य सरकार से मृतकों के परिजनों को मुआवजा देने की अपील की. बोम्मई वर्तमान में हावेरी से बीजेपी के सांसद हैं.

उन्होंने एक्स पोस्ट में लिखा, कोप्पल जिले में भानापुर के पास हुए एक भयानक सड×क हादसे में मंत्रालयम जा रहे लोगों की मौत और घायल होने की खबर बहुत दुखद है. ऐसी खबरें हैं कि हावेरी जिले के रत्तीहल्ली तालुक के कुछ लोगों की मौत हो गई है और कई लोग घायल हुए हैं. मैं प्रार्थना करता हूं कि मृतकों की आत्मा को शांति मिले. भगवान उनके परिवारों को यह दुख सहने की ताकत दे. मैं सभी घायलों के जल्दी ठीक होने की कामना करता हूं.

उन्होंने आगे लिखा, राज्य सरकार को तुरंत मरने वालों के परिवारों के लिए उचित मुआवजे की घोषणा करनी चाहिए. मैं यह भी मांग करता हूं कि घायलों को सबसे अच्छा मेडिकल इलाज और सभी ज़रूरी मदद दी जाए.

रविवारीय

भारत 2026 में ब्रिक्स की अध्यक्षता ऐसे समय कर रहा है जब कृषि व्यापार की चर्चा केवल शुल्क और बाजार पहुंच तक सीमित नहीं रह गई है . जलवायु संकट, खाद्य कीमतों में उतार-चढ़ाव, उर्वरकों की आपूर्ति में रुकावट, सतत उत्पादन से जुड़े मानक, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की डिजिटल जानकारी तथा संकट के समय बाजारों को खुला रखने की जरूरत अब कृषि व्यापार के अहम मुद्दे बन चुके हैं .

ब्रिक्स और कृषि व्यापार की नई दिशा

एम .एल . जाट

स्मिता सिरोही

कृषि क्यों महत्वपूर्ण है- ब्रिक्स के विस्तार के बाद यह समूह अब दुनिया की लगभग आधी आबादी, वैश्विक जीडीपी के करीब 40 प्रतिशत और वैश्विक व्यापार के लगभग एक चौथाई हिस्से का प्रतिनिधित्व करता है. संयुक्त राष्ट्र की व्यापार एवं विकास संस्था, अंकटाड, के हालिया आकलन के अनुसार, ब्रिक्स देशों के बीच वस्तुओं का व्यापार 2003 के बाद तेरह गुना से अधिक बढ़ा है और 2024 में 1.17 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया. कृषि इस बड़े व्यापारिक परिदृश्य का केवल एक हिस्सा हो सकती है, लेकिन राजनीतिक और सामाजिक दृष्टि से यह सबसे संवेदनशील क्षेत्रों में है. जब खाद्य पदार्थ महंगे होते हैं, उर्वरकों की आपूर्ति रुकती है या समुद्री मार्गों में अनिश्चितता आती है, तो इसका सीधा असर किसानों, उपभोक्ताओं और सरकारों पर पड़ता है. इसलिए कृषि भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के सबसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में से एक है.

ब्रिक्स देशों के बीच कृषि के क्षेत्र में कई तरह की पूरकताएं हैं. ब्राजील सोयाबीन, मांस और चीनी का बड़ा निर्यातक है. रूस अनाज और उर्वरकों में महत्वपूर्ण भूमिका रखता है. भारत चावल, समुद्री उत्पाद, मसाले, भैंस के मांस और छोटे किसानों से जुड़ी कई कृषि वस्तुओं में मजबूत स्थिति रखता है. चीन खाद्य पदार्थों का बड़ा आयातक और प्रसंस्करण करने वाला देश है. दक्षिण अफ्रीका इस समूह को अफ्रीका के महत्वपूर्ण कृषि-खाद्य बाजारों से जोड़ता है. नए सदस्य भी इसमें नए आयाम जोड़ते हैं. संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब लॉजिस्टिक्स, वित्त और खाद्य सुरक्षा निवेश के लिहाज से महत्वपूर्ण हैं. मिस्र और इथियोपिया अफ्रीका की खाद्य प्रणाली से जुड़ी चिंताओं को सामने लाते हैं, जबकि इंडोनेशिया पाम ऑयल, मत्स्य क्षेत्र और उष्णकटिबंधीय कृषि की ताकत जोड़ता है.

आपसी ताकतों को ठोस व्यवस्था में बदलना- लेकिन केवल बड़े पैमाने और आपसी ताकतों के मेल से अपने-आप मजबूत व्यापार व्यवस्था नहीं बनती. आगामी ब्रिक्स कृषि मंत्रियों की बैठक भारत को यह अवसर देती है कि वह सहयोग को कुछ ठोस दिशाओं में आगे बढ़ाए. इनमें भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था, बीज, उर्वरक और अन्य उत्पादन सामग्री की मजबूत आपूर्ति श्रृंखला, बेहतर बाजार जानकारी और ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं शामिल हैं जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की सक्रिय भागीदारी हो.

भरोसेमंद व्यापार व्यवस्था को शुरुआती प्राथमिकता मिलनी चाहिए. कृषि व्यापार में केवल माल भेजना पर्याप्त नहीं है; यह भी उतना ही जरूरी है कि उत्पाद की गुणवत्ता, सुरक्षा और स्रोत पर भरोसा हो. कृषि व्यापार सुविधा पर 2024 के ब्रिक्स सिद्धांत पहले ही खाद्य सुरक्षा, पशु-पौध स्वास्थ्य और तकनीकी मानकों से जुड़े सहयोग, एक-दूसरे के मानकों को स्वीकार करने की व्यवस्था, कम व्यापार लागत और डिजिटल व्यापार सुविधा जैसे बुनियादी मुद्दों को मान्यता देते हैं. भारत इस एजेंडे को आगे बढ़ाते हुए डिजिटल प्रमाणपत्रों, उत्पाद के स्रोत और गुणवत्ता की भरोसेमंद डिजिटल जानकारी, नियामकों के बीच तेज संवाद और उत्पादकों व निर्यातकों की क्षमता निर्माण पर जोर दे सकता है.

दूसरी प्राथमिकता मजबूत आपूर्ति श्रृंखला होनी चाहिए. खाद्य व्यापार को उर्वरक, ऊर्जा, पशु आहार, बीज, ढुलाई-भंडारण और वित्त से अलग करके नहीं देखा जा सकता. भारत के लिए यह कोई दूर की चिंता नहीं है. उसके उर्वरक और ऊर्जा आयात का आधे से अधिक हिस्सा ब्रिक्स देशों से आता है. इसलिए उत्पादन सामग्री की सुरक्षा सीधे कृषि की मजबूती से जुड़ी हुई है. पश्चिम एशिया के हालिया संकटों ने दिखाया है कि खाद्य पदार्थों के बाजार तक पहुंचने से बहुत पहले ही उत्पादन प्रभावित हो सकता है. इसलिए ब्रिक्स सहयोग में उर्वरकों और अन्य उत्पादन सामग्री के बाजारों के लिए पूर्व चेतावनी प्रणाली, भंडार और कीमतों पर पारदर्शी जानकारी, और जरूरी कृषि सामग्री की आपूर्ति में अचानक आने वाली रुकावटों को कम करने की व्यवस्था शामिल होनी चाहिए.

तीसरी प्राथमिकता बेहतर बाजार जानकारी है. ब्रिक्स अनाज विनिमय का विचार इस बात की जरूरत को दिखाता है कि खाद्य बाजारों में अधिक पारदर्शिता, बेहतर मूल्य संकेत और खाद्य सुरक्षा की तैयारी होनी चाहिए. भारत इस दिशा में ब्रिक्स कृषि अनुसंधान मंच के भीतर कृषि बाजार जानकारी से जुड़ी एक व्यवस्था का प्रस्ताव रख सकता है. यह मंच पहले से ही 'ज्ञान से कार्य' की दिशा में विकसित किया जा रहा है. ऐसी व्यवस्था खाद्य भंडार, फसल की स्थिति, उर्वरक कीमतों, जहाजरानी जोखिमों, खाद्य सुरक्षा और पशु-पौध स्वास्थ्य से जुड़े अलर्ट तथा प्रमुख कृषि जिंसों के रुझानों पर नियमित जानकारी दे सकती है. इससे देश संकट गहराने से पहले ही तैयारी कर सकेंगे.

इन प्राथमिकताओं का उद्देश्य खाद्य पदार्थों से जुड़े किसी बंद गुट का निर्माण करना नहीं है. इनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि कृषि व्यापार एक अनिश्चित दुनिया में खाद्य सुरक्षा, किसानों और उपभोक्ताओं के लिए बेहतर ढंग से काम करे. भारत इस एजेंडा को आकार देने की दृष्टि से सही स्थिति में है क्योंकि उसे खाद्य सुरक्षा के प्रबंधन, छोटे किसानों पर आधारित कृषि, डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना और कृषि अनुसंधान का खासा अनुभव है.

भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता इस एजेंडे को व्यावहारिक रूप देने का समय पर मिला अवसर है. छोटे लेकिन सुविचारित कदम भी संकट के समय कृषि व्यापार को अधिक भरोसेमंद, नियमों की दृष्टि से अधिक पारदर्शी और किसानों के लिए अधिक सुलभ बना सकते हैं. यह अधिक मजबूत, भरोसेमंद और किसान-केंद्रित कृषि व्यापार व्यवस्था की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम होगा.

ये लेखकों के निजी विचार हैं
डॉ. एम .एल . जाट, आईसीएआर के महानिदेशक तथा डीएआरई के सचिव हैं
डॉ. स्मिता सिरोही, आईसीएआर के एम .एस . स्वामीनाथन चेयर की राष्ट्रीय प्रोफेसर और डीएएफ एंड डब्ल्यू की पूर्व संयुक्त सचिव हैं

व्यापार को किसान-केन्द्रित बनाना

चौथी प्राथमिकता ऐसी मूल्य श्रृंखलाएं होनी चाहिए जिनमें छोटे किसानों, महिलाओं और युवाओं की भागीदारी सुनिश्चित हो. यदि कृषि व्यापार केवल बड़ी मात्रा में अनाज, तेल, चीनी या अन्य जिंसों की खरीद-बिक्री तक सीमित रह गया, तो उससे छोटे किसानों और ग्रामीण परिवारों को सीमित लाभ ही मिलेगा. कृषि-खाद्य प्रणालियों में महिलाओं की भूमिका पर वैश्विक सम्मेलन 2026 से निकली दिल्ली घोषणा ने कृषि-खाद्य व्यवस्था में महिलाओं की भूमिका, नेतृत्व और भागीदारी को केंद्र में रखा है. भारत इस भावना को ब्रिक्स के कृषि व्यापार एजेंडे में आगे बढ़ा सकता है, ताकि छोटे किसानों, विशेषकर महिला किसानों और ग्रामीण युवाओं को केवल बाजार के लिए उत्पादन करने तक सीमित न रखा जाए, बल्कि उन्हें मूल्य श्रृंखलाओं में अधिक प्रभावी भागीदारी का अवसर मिले.

पंजाब और उत्तर प्रदेश तय करेंगे कांग्रेस और भाजपा की अगली दिशा

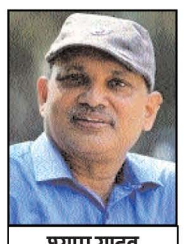

श्याम यादव
राजनीतिक लेखक

उत्तर प्रदेश और पंजाब में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव केवल दो राज्यों के चुनाव नहीं होंगे, बल्कि वे देश की दो प्रमुख राजनीतिक पार्टियों—भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस—की भावी राजनीतिक दिशा भी तय करेंगे. कांग्रेस के लिए ये चुनाव राजनीतिक पुनर्वास और खोई हुई जमीन वापस पाने का अवसर होंगे, तो भारतीय जनता पार्टी के लिए अपने बढ़ते प्रभाव को और मजबूत करने की परीक्षा. दोनों राज्यों में फिलहाल कांग्रेस सत्ता से बाहर है, लेकिन उसके लिए उम्मीद की सबसे बड़ी किरण भी यही दो प्रदेश हैं. दूसरी ओर भाजपा के लिए उत्तर प्रदेश अपनी राजनीतिक ताकत को बरकरार रखने और पंजाब में नए अवसर तलाशने का महत्वपूर्ण मैदान है. पंजाब और उत्तर प्रदेश की राजनीतिक परिस्थितियां भले अलग-अलग हों, लेकिन दोनों का महत्व कांग्रेस और भाजपा के लिए लगभग समान है. पंजाब में कांग्रेस अपनी पुरानी राजनीतिक ताकत को फिर से हासिल करने की कोशिश में है, जबकि उत्तर प्रदेश में उसे अपने राजनीतिक अस्तित्व को नई ऊर्जा देनी है. भाजपा की स्थिति भी दोनों राज्यों में अलग है. उत्तर प्रदेश में वह सत्ता में है और अपनी बढ़त बनाए रखना चाहती है, जबकि पंजाब में वह अपने लिए नई राजनीतिक संभावनाएं तलाश रही है. कांग्रेस इन दिनों संगठनात्मक बदलावों की चर्चा के केंद्र में है. पार्टी नेतृत्व को यह अहसास है कि केवल संसद में सीटें बढ़ा लेने से राष्ट्रीय राजनीति में स्थायी प्रभाव नहीं बनता. किसी भी राष्ट्रीय दल की वास्तविक ताकत राज्यों में खड़ी होती है और वहीं से उसकी राष्ट्रीय स्वीकार्यता का विस्तार होता है. यही वजह है कि कांग्रेस की निगाह अब उन राज्यों पर है जहां वह अपनी खोई हुई राजनीतिक जमीन वापस पाने की संभावना देख रही है.

पंजाब कांग्रेस के लिए केवल एक चुनावी राज्य नहीं, बल्कि उसकी राजनीतिक विरासत का महत्वपूर्ण हिस्सा रहा है. लंबे समय तक राज्य की राजनीति में कांग्रेस निर्णायक भूमिका निभाती रही, लेकिन पिछले कुछ वर्षों में गुटबाजी, नेतृत्व संघर्ष और बदलते राजनीतिक समीकरणों ने उसकी स्थिति को कमजोर किया है. आम आदमी पार्टी के सत्ता में आने के बाद कांग्रेस का परंपरागत जनाधार भी प्रभावित हुआ है. वहीं राज्य की राजनीति में लगातार उभरते नए समीकरण यह संकेत दे रहे हैं कि आने वाले समय में मुकाबला और अधिक जटिल हो सकता है. ऐसे में पंजाब में कांग्रेस की चुनावी संभावनाओं का आकलन उसके संगठन की स्थिति से अलग करके नहीं किया जा सकता. पार्टी के सामने केवल आम आदमी पार्टी और भाजपा से मुकाबले की चुनौती नहीं है, बल्कि अपनी राजनीतिक विश्वसनीयता को पुन: स्थापित करने की चुनौती भी है. राज्य में उसकी ताकत और कमजोरी, दोनों का केंद्र उसका संगठन ही है. उत्तर प्रदेश की कहानी अलग है. यहां कांग्रेस के सामने सत्ता हासिल करने से पहले अपनी राजनीतिक प्रासंगिकता को मजबूत करने की चुनौती है.

व्यंग्य

दीमक से संवाद

रवि उपाध्याय
(लेखक व्यंगकार और राजनीतिक समीक्षक हैं)

पहेलियां, कहावतें और मुहावरे भाषा के भूषण होते हैं। पहेलियां इन सब में काफ़ी रोचक होती हैं। जब हमारे हाथों में डिजटल डिवाइस नहीं होतीं थीं तो टाइम पास करने और ज्ञान बढ़ाने का माध्यम पहेलियां ही हुआ करतीं थीं। ऐसी ही एक पहेली याद आ रही है जिसमें पूछा जाता था - लाल गाय लक्कड़ खाए, पानी पिए मर जाए। तो बूझो क्या शायद आपने भी इस तरह की पहेलियां सुनी ही नहीं होंगी बल्कि उनको हल भी किया होगा.

बचपन में सुनी गईं और हल की गईं पहेली से अलग आज कल टीवी और पेपरों की यह ख़बर मेरे सामने अन बूझ पहली बनी हुई है . ख़बर में बताया गया है कि कोलकाता के नामी सुरेन्द्रनाथ बनर्जी कॉलेज के छात्र संघ के कक्ष से पुलिस ने दो सूटकेस बरामद किए हैं. इन सूटकेस से लाखों रुपए की कीमत के ऐसे करेंसी नोट के अवशेष भरे हुए थे जिनको दीमकों द्वारा खाया जा चुका है.तब से ही यह सवाल मेरे दिमाग़ में रह रह के उठ रहा है कि अभी तक तो सरकारी अफसरों,कर्मचारियों और नेता लोगों को ही नोट खोर माना जाता था अब दीमकों को भी यह शौक लग गया हाय रब्बा ,अब क्या होगा मेरे मादरे वतन का.

भला दीमकों में यह शौक आ कहाँ से गया . इस घटना पर प्रयोगवाद के वरिष्ठ कवि सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन अज्ञेय जी की वह कविता याद आती है जिसमें वह सांप से सवाल पूछते हैं . सांप, तुम सभ्य तो हुए नहीं, नगर में बसना भी तुम्हें नहीं आया. एक बात पूछूं तब कैसे सीखा डंसना विष कहां से पाया

अज्ञेय जी की सांप वाली उक्त कविता ने मुझ में एक जिज्ञासा पैदा कर दी कि,जब अज्ञेय जी खतरनाक सांप से सवाल करे सकते हैं तो अपन यही सवाल दीमक से क्यों नहीं कर सकते कि वह अपने काम से काम क्या नही रखता. क्यों दूसरे के कामों में टांग घुसेड़ता है. आदमी के अधिकार क्षेत्र में आखिर यह अतिक्रमण करने का क्या मतलब है , अरे भाई तुम्हारा काम है लकड़ी और मिट्टी चाटने का तो भैया वही करो न. काहे को नेता और सरकारी सिस्टम में अपनी नाक या टांग घुसेड़ रहे हो. तुम को चाटना ही है तो नेताओं और नोट खाने वाले अफसरों और बाबुओं की कुर्सियों में घुन बन कर घुस जाओ. उन्हें चट करो. सिस्टम को बख्श दो.

इन्हीं सब सवालों के साथ सचमुच में हमारी मुलाकात सफ़ेद पोश चीटियों यानि दीमकों के झुंड से हो गई. हमने पूछा भाई साहब आपने कोलकाता के कॉलेज की वो ख़बर तो सुनी होगी जिसमें आपकी बहनों और भाईयों ने बड़ी जतन से शानदार सूटकेसों में रखे लाखों रुपए के करेंसी नोटों को कतरनों में बदल दिया. क्या यह अनधिकार चेष्टा नहीं है. आखिर बंद सूटकेसों में आपका प्रवेश कैसे हो गया ? इस पर एक श्वेत दीमक ने कहा में बताती हूं.जब सिस्टम आंख बंद कर लेता है तब हमारा प्रवेश होता है. तब मजबूरीवश इस तरह के ऑपरेशन को चुपके से अंजाम देना पड़ता है. जिन भाई बहनों ने वहां इस काम को अंजाम दिया है वह कोई ऐसे वैसे नहीं बल्कि उसी क्रांतिकारी के नाम पर स्थापित कॉलेज की ही उपज हैं. सूट केसों में रखा धन काला था इसलिए उसे उनके द्वारा नष्ट कर दिया गया.

टीआरपी का मायाजाल! दर्शक भी उतने ही गुनहगार

आज के दौर में मीडिया की शक्ति निर्विवाद है . सरकारों की छवि निर्माण से लेकर जनमत को प्रभावित करने तक उसकी भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो चुकी है . 2014 के लोकसभा चुनाव में नरेंद्र मोदी के उभार से लेकर अन्ना आंदोलन और उसके बाद अरविंद केजरीवाल के राजनीतिक उदय तक मीडिया की भूमिका निसंदेह महत्वपूर्ण रही है . फिल्मी कलाकार ''सुशांत सिंह राजपूत'' का मीडिया ट्रायल हो या ''ऑपरेशन सिंदूर'' जैसी संवेदनशील सैन्य एवं राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े घटनाक्रमों की अतिरंजित कवरेज जैसे अनेकानेक विषय ; पर मीडिया का प्रसारण हर बार एक शब्द गूंजता है ''टीआरपी''. आखिर ''टीआरपी'' है क्या बला? और इस ''चूहा-बिल्ली के खेल'' का असली खलनायक कौन?

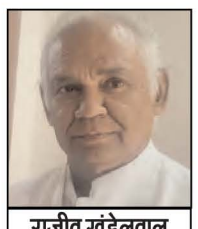

राजीव खंडेलवाल
लेखक, कर सलाहकार एवं पूर्व अध्यक्ष, बैतूल सुधार न्यास

मीडिया की ''आन बान शान'' के आकलन का एकमात्र बैरोमीटर ''टीआरपी'' है. टीआरपी मतलब (टेलीविजन रेटिंग प्वाइंट) किसी टीवी कार्यक्रम या चैनल की लोकप्रियता का इकलौता मापदंड है. यह बताता है कि ''लक्षित'' दर्शकों में से कितने प्रतिशत लोग किसी विशेष कार्यक्रम या चैनल को देख रहे हैं. सरल शब्दों में कहें तो, टीआरपी मीडिया जगत की वह ''मुद्रा'' (करेंसी) है, जिससे उसका बाजार भाव व रुतबा तय होता है. किसी चैनल की टीआरपी जितनी अधिक होती है, विज्ञापनदाताओं से उसे महंगे दर पर अधिक विज्ञापन मिलने से उतनी ही अधिक आय प्राप्त होती है. यही कारण है कि चैनलों के बीच दर्शकों का ध्यान आकर्षित करने की निरंतर गला-काट प्रतिस्पर्धा होकर यह कई बार निम्न स्तर तक चली जाती है.

टीआरपी केवल आर्थिक लाभ तक सीमित नहीं है. अधिक दर्शक संख्या चैनल की राजनीतिक दखलंदाजी और सामाजिक प्रभावशीलता भी ब ?ाती है. सत्ता, कॉरपोरेट जगत और रसूखदार तबके स्वाभाविक रूप से उन मंचों के निकट रहना चाहते हैं, जिनकी पहुंच जनता के बीच व्यापक हो. मीडिया हाउस को भी सत्ता और कॉरपोरेट जगत के निकट आने का फायदा मिलता है. इसलिए वे उसके आस-पास रहने का प्रयास करते है. भारत में टीआरपी की गणना और प्रकाशन बीएआरसी (ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल) द्वारा किया जाता है. यह ब्रॉडकास्ट एडवरटाइजर्स और एजेंसियां का संयुक्त संगठन है. इसके लिए देशभर के चयनित घरों में विशेष उपकरण लगाए जाते हैं, जो यह रिकॉर्ड करते हैं कि कौन-सा चैनल कितनी देर तक देखा गया.इस आंकड़े का विश्लेषण आयु, लिंग, ग्रामीण-शहरी पृष्ठभूमि तथा सामाजिक-आर्थिक वर्गों के आधार पर ''वेटेज'' देकर किया जाता है और फिर पूरे देश के दर्शकों का अनुमान लगाया जाता है. इसी आधार पर साप्ताहिक टीआरपी भी रिपोर्ट जारी होती है. जब भी कोई चैनल किसी घटना को ''राई का पहा?'' बनाकर सनसनीखेज तरीके से प्रसारित करता है (कुछ उदाहरण ऊपर दिए गए हैं), तो तुरंत तोहमत लगती है कि यह सब ''टीआरपी का खेल'' है. मानो पत्रकारिता की सारी विकृति की जड़ यही एक शब्द है. तथापि यह आरोप पूरी तरह निराधार नहीं है. लेकिन क्या सारा ठीकरा मीडिया पर फोड़ना आधे सच को देखना नहीं? वास्तव में इसी आरोप में जनता की अंशदायी (योगदान), ''सहभागिता'' भी छुपी हुई है. टीआरपी किसी चैनल के कार्यक्रम में नहीं, बल्कि वह दर्शकों के ड्राइंग रूम में बनती है. विडंबना देखिये, जिस कंटेंट को लोग ''चटकारे लेकर'' देखते हैं. यदि दर्शक किसी कार्यक्रम को देखना ही बंद कर दें, तो उसकी टीआरपी स्वत: गिर जाएगी. बाजार का सिद्धांत है ''जो बिकता है, वही बाजार में दिखाई देता है''. यदि सनसनी, विवाद, भावनात्मक उत्तेजना और उत्तेजक बहसों वाले कार्यक्रम लगातार ऊंची टीआरपी प्राप्त करते हैं, तो इसका अर्थ यही है कि दर्शकों का एक ब ?ा वर्ग उन्हें देख भी रहा है. ऐसे में मीडिया की आलोचना करते समय दर्शकों की भूमिका को पूरी तरह नजरअंदाज करना वास्तविकता से आंख मूंदना होगा. क्या इसके लिए जनता भी दोषी नहीं है?? पत्रकारिता केवल व्यवसाय नहीं, ''धर्म'' भी है. इसका उद्देश्य केवल दर्शकों की पसंद का पीछा करना नही, बल्कि समाज को तथ्यपरक, संतुलित और विश्वसनीय सूचना उपलब्ध कराने का सार्वजनिक दायित्व भी है. दर्शकों की कमजोरी को ''कैश'' करने लगे तो प्रेस का मूल उद्देश्य ही धराशायी हो जाएगा.

टीआरपी की अंधी दौड़ के चलते यदि समाचार, मनोरंजन और फूह? मजाक, व्यंग की रेखा धुंधली हो जाए, तथ्यों की जगह उत्तेजना ले ले और ''बहस'' की जगह ''शोर'' हावी हो जाए, एक कार्यक्रम का नाम ही ''हल्ला बोल'' ही है, दंगल, महाभारत, आर-पार है तो पत्रकारिता की साख ''मिट्टी में मिलना'' तय है.शायद यही कारण है कि पिछले कुछ वर्षों में बड़ी संख्या में दर्शक पारंपरिक टीवी मीडिया से हटकर डिजिटल और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म की ओर आकर्षित हुए हैं.

भयमुक्त समाज ही विकसित प्रदेश की पहचान है

लक्ष्मण सिंह
पूर्व सांसद

अविभाजित मध्य प्रदेश में और आज के मध्य प्रदेश में अपराधों की तुलना करें तो नक्सलवाद को छोड़कर अन्य अपराधों की संख्या और आंकड़े हमें बड़े हुए मिलते हैं, जबकि मध्य प्रदेश राज्य का क्षेत्रफल कम हुआ है और पुलिस बल की संख्या और थानों की संख्या बड़ी है. महिला थाने भी ज्यादा खोले गए हैं. पुलिस बल का आधुनिक करण भी हुआ है, तकनीक भी बहुत विकसित हुई है. जिसके कारण डकैतों का लगभग सफाया हो गया है. कांग्रेस के शासनकाल में जहां, अविभाजित मध्य प्रदेश का समय सर्वाधिक था, नक्सलवाद की समस्या को बातचीत के माध्यम से सुलझाने के प्रयास, गांधीवाद के सिद्धांत पर चलकर अधिक हुए, परंतु दुर्भाग्य वर्ष आशाजनक परिणाम सामने नहीं आए और नक्सलवाद बढ़ता गया. नक्सलवाद बढ़ाने का एक कारण और भी रहा है की कई आदिवासियों को जो निर्दोष थे, पुलिस ने फर्जी एनकाउंटर कर मार डाला. यह जानकारी मुझे मिली जब मैं स्वयं स्वर्गीय पूर्व मुख्यमंत्री मोतीलाल जी वोरा के लोकसभा प्रचार में राजनांदगांव गया था, जो एक नक्सल प्रभावित जिला है. शासन इन घटनाओं पर चूंकि मौन रहा कॉम अपराध और नक्सलवाद इसीलिए बढ़ता गया.

1. पुलिस प्रणाली में राजनीतिक हस्तक्षेप कोई नई बात नहीं है. मेरे राजनीतिक जीवन में मैंने कभी भी किसी पुलिस वाले के स्थानांतर की सिफारिश नहीं की जबकि पुलिस विभाग के स्थानांतर की बहुत सारे नेता सिफारिश करते रहते थे और मैं अकेला ही नहीं मेरे जैसे बहुत से ऐसे भी नेता रहे हैं जिन्होंने कभी पुलिस विभाग में स्थानांतर की सिफारिश नहीं की. क्योंकि अगर हम पुलिस के काम में हस्तक्षेप करेंगे तो फिर पुलिस अपना काम नहीं कर पाएगी इसीलिए जो नेता केवल पुलिस के स्थानांतर की बात करते हैं उन पर ज्यादा ध्यान नहीं देना चाहिए और अगर बहुत ही आवश्यक हो तो बोलना चाहिए परंतु ऐसे अधिकांश नेता मैंने देखे हैं और आज भी है जो अधिकतर पुलिस विभाग में अनावश्यक करते हैं और पुलिस की कर प्रणाली को प्रभावित करते हैं यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है ऐसा करने से पुलिस बल का मनोबल टूटता है और वह इन नेताओं के इशारे पर कार्य करने को बाधित हो जाता है और यही से माफिया को बल मिलता है और अपराधों में अप्रत्याशित वृद्धि होती है.
2. एक प्रथा जो अत्यंत प्रचलित हो चुकी है, वह है चंदा वसूली. सत्ता दल के लोग इसका भरपूर दुरुपयोग शासकीय तंत्र का करते हैं. कोई राजनीतिक रैली हो कोई धार्मिक आयोजन हो या नेताजी के घर में विवाह या अन्य कार्यक्रम हो चंदा वसूली एक प्रथा बन चुकी है. कांग्रेस शासन में भी होता था, परंतु अब तो सारी सीमाएं पार हो चुकी हैं. इन्हें रोकना होगा और यह कार्य जनता ही कर सकती है, शांतिपूर्ण आंदोलन के माध्यम से.
3. सबसे चौंकाने वाले तथ्य जो है वह यह है की कई बार पुलिस द्वारा स्वयं अपराधियों को अपराध करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है. लोग इस बात पर विश्वास नहीं करेंगे, परंतु यह कटु सत्य है, और इसके पीछे राजनीतिक दल के नेता ही अधिकतर होते हैं. अभी एक हफ्ते पहले कुंभराज जिला गुना में एक रंगदारी अवैध वसूली के प्रकरण में मारपीट हुई और दो नौजवान घायल हुए. में स्वयं कुंभराज पहुंचा था, जनता ने पुलिस थाने को घेर रखा था और रंगदारी हफ्ता वसूली के विरुद्ध नारे लग रहा है लग रहे थे. अपराधियों को पकड़ा था, स्वयं उन्होंने सोशल मीडिया द्वारा बताया किस प्रकार पुलिस उन पर दबाव बनाकर झूस रंगदारी और वसूली करवाती है. वो बयान देने को भी तैयार थे, परंतु स्वाभाविक है पुलिस उनके बयान क्यों लिखेगी? शासन में बैठे लोगों को यह बात संज्ञान में लेना चाहिए तभी हम भयमुक्त प्रशासन दे सकते हैं .
4. महिलाओं पर अत्याचार की संख्या भी बहुत बड़ी है की महिलाएं निडर होकर रिपोर्ट लिखवाती हैं और शिक्षित भी ज्यादा है. और पहले अशिक्षित थी इसलिए रिपोर्ट नहीं लिखवाती थी यह भी कारण हो सकता है. इसलिए यह आवश्यक है, कि महिला पुलिस बल में भर्ती बढ़ाई जाए और महिला थानों की संख्या में वृद्धि की जाए समाज में दहेज प्रथा भी एक मुख्य कारण है, महिलाओं पर अत्याचार बढ़ाने का. आजकल तो जो दहेज दिया जाता हैं, उसका वीडियो भी जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों के सामने बनता है. और यह लोग मौन खड़े होकर उसे ही राशि को निहारत रहते हैं. यह बहुत दुर्भाग्यपूर्ण है, शर्म आनी चाहिए ऐसे नेताओं और अधिकारियों को जो यह सब देखकर भी चुप रहते हैं और महिला उत्पीड़न के विरुद्ध कार्रवाई नहीं करते अपराध कम करने के लिए शासन को शस्त्र लाइसेंस देने की प्रक्रिया को भी सरल बनाना होगा. अभी वक्त यह प्रक्रिया बहुत जटिल है, कोई भी व्यक्ति लाइसेंस शस्त्र अपनी सुरक्षा के लिए रखता है, अपराध तो बिना लाइसेंस के हथियारों से होते हैं.

हे प्रभु! चप्पल तो छोड़ देते!

अरे भइया, संडे की सुबह हो, हाथ में कड़क चाय का कप हो और मंदिर जाने का प्लान बने, तो आत्मा एकदम 'पवित्र' फील करने लगती है। लेकिन आजकल का कड़वा सच ये है कि मंदिर में भगवान से ज़्यादा भरोसा अपनी चप्पल पर रखना पड़ता है। क्योंकि कम से कम वो दिखती तो रहती है... जब तक दिखती है! सिचुएशन ऐसी है कि अंदर भक्ति, बाहर बीमा... बॉस, यही है आजकल की असली "दर्शन व्यवस्था"!

अंदर भक्त श्रद्धा में गोते खा रहा होता है, और बाहर उसकी चप्पलें 'सर्वाइवल ऑफ द फिटेस्ट' की जंग लड़ रही होती हैं। कुछ लोग तो मंदिर दर्शन करने आते ही नहीं, वो अपनी वेंटिलेटर पर चल रही हवाई चप्पल को ब्रांड न्यू शूज़ से 'अपग्रेड' करने आते हैं। उनका लॉजिक भी अलग लेवल का होता है कि जब भगवान घट-घट में हैं, तो इस नई रीबॉक की चप्पल में भी वही होंगे! तभी तो बेचारा सच्चा भक्त आंखें बंद करके हाथ जोड़ता है कि "हे प्रभु, मोक्ष मिले न मिले, मेरी चप्पल को 'प्रोटेक्शन' ज़रूर देना, ईएमआई अभी बाकी है!"

अब अपने पंडित जी भी पूरा खेल समझ चुके हैं। पिछले संडे एक भक्त सिर पकड़कर रोने लगा, "पंडित जी, अनर्थ हो गया, चप्पल गायब है!" पंडित जी ने बिना नज़र उठाए, बड़े चाव से कलावा बांधते हुए कहा, "बेटा, प्रभु ने उसे 'प्रसाद' समझकर रख लिया। अब ज्यादा आंसू मत बहाओ, ये बूंदी का लड्डू लो और हिसाब बराबर समझो!" इसे कहते हैं 'आंख के अंधे, नाम नयनसुख'... चप्पल गई तेल लेने, आप लड्डू खाइए!

मैंने बहुत 'रिसर्च' करके इन चप्पल-चोरों की तीन धांसू कैटगरी बनाई है:

पहले हैं 'मजबूर चोर', जिनकी अपनी चप्पल रास्ते में ही 'शहीद' हो चुकी होती है।

दूसरे हैं 'लालची अपग्रेडर', जो खुद ठीक-कैटगरी में आते हैं, पर जाते वक़्त दूसरों की चकाचक चीज़ पर 'हाथ साफ़' कर देते हैं।

और तीसरे होते हैं हमारे 'प्रोफेशनल उस्ताद'! ये मंदिर के अंदर ऐसे सर झुकाकर बैठेंगे मानो इनसे बड़ा संत कोई नहीं, पर इनकी दोनों आंखें सीधे जूता-स्टैंड का लाइव टेलीकास्ट देख रही होती हैं!

हद तो तब हो जाती है जब दो मिनट पहले जुड़े हाथ मंदिर से निकलते ही "किसकी चप्पल खाली है" का सर्वे करने लगते हैं। इसे कहते हैं आम के आम, गुठलियों के दाम... भक्ति की भक्ति और फ्री की रेकी! इन्हें नरक की कड़ाही का कोई खौफ़ नहीं होता, चोरी करते वक़्त इनके चेहरे पर ऐसी 'इनर पीस' होती है, मानो कोई समाज-सेवा चल रही हो।

सोचिए, जिस परमपिता ने अपनी तीसरी आंख से तीनों लोक देख लिए, उसे आज इंसानों को पकड़ने के लिए गेट पर डिजिटल सीसीटीवी कैमरा लगवाना पड़ रहा है! पर असली 'जोक' तो वो रूचप्पल चोरों से सावधानरू वाला बोर्ड है, जो हर मंदिर में ऐसे शान से टंगा रहता है जिसका कभी कोई फॉलो-अप नहीं होता... ठीक हमारे नए साल के 'फ़िटनेस रेज़ोल्यूशन' जैसा!

तो भइया, अगली बार जब मंदिर जाओ तो 'मन की शांति' बाद में मांगना, पहले चप्पलों की सेफ़्टी के लिए स्पेशल मन्नत मांग लेना। क्योंकि चप्पल-चोर साक्षात 'दर्शनार्थी' हैं... जो हर रविवार पूरी श्रद्धा से आते हैं, बस अंतर इतना है कि उनकी निगाहें मूर्ति पर नहीं, सीधे आपके पैरों पर टिकी होती हैं! **चप्पल संभालिए और बोलिए... हैप्पी संडे!**

(लेखक – आरजे राकेश)

संक्षिप्त समाचार

जन-जन के लाडले हिंदू हृदय सम्राट विधायक उदयलाल भड़ाना के जन्मोत्सव की तैयारियां जोरों पर, मांडल में उत्साह का माहौल

चमकता राजस्थाान/महेश कुमार बिड़ला मीडिया प्रभारी / मांडल भीलवाड़ा। मांडल विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय एवं हिंदू हृदय सम्राट विधायक उदयलाल भड़ाना के 5 जुलाई को होने वाले जन्मदिवस को लेकर मांडल क्षेत्र में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। कार्यकर्ताओं और समर्थकों में विशेष उत्साह देखने को मिल रहा है तथा जन्मोत्सव को यादगार बनाने के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार की जा रही है।

मांडल विधानसभा लालकृष्ण सेन एवं सोशल मीडिया सहसंयोजक ओम प्रकाश तेली ने बताया कि विधायक उदयलाल भड़ाना के जन्मदिवस पर क्षेत्रभर में सेवा, समर्पण और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। कार्यकर्ता गांव-गांव और वार्ड स्तर पर तैयारियों में जुटे हुए हैं तथा अधिक से अधिक लोगों की सहभागिता सुनिश्चित की जा रही है। उन्होंने बताया कि जन्मोत्सव के अवसर पर सामाजिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों के साथ कार्यकर्ताओं का भव्य मिलन भी होगा। क्षेत्रवासियों में अपने लोकप्रिय विधायक के जन्मदिन को लेकर खासा उत्साह है और कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए सभी कार्यकर्ता पूरी निष्ठा से तैयारियों में जुटे हुए हैं।

शैलेंद्र सांखला को ठरवकब्यावर जिलाध्यक्ष बनने पर ब्यावर कांग्रेस में खुशी का माहौल

चमकता राजस्थान/जयपुर। सभी कांग्रेसजन व समाज के लोग दे रहे बधाईयाँ व राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद जाखड़ का कर रहे है धन्यवाद।

बधाई देने में युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष भूपेन्द्र पाल पंवार, अशोक रांका, अजय स्वामी,प्रवीण सिखवाल, एनएसयूआई प्रदेश सचिव अंशुल यादव व मेहरबान काठात, छोटू लाल माली, युनुस खान, मुकेश गुर्जर,पुष्पेन्द्र पाल पंवार, जितेन्द्र शर्मा, जितेन्द्र सिंह रावत, हितेश चौहान,अफजल खान, खुशवंत चौहान, शिवराज वैष्णव सहित शहर के लोग दे रहे बधाईयाँ।

पानी की किल्लत से वार्ड 33 के लोग परेशान, जलमीनार बार बार हो रहे खराब

चमकता राजस्थान/लखीसराय से सौरव कुमार। लखीसराय नगर परिषद अंतर्गत वार्ड 33 में पानी की टंकी अक्सर खराब रखने से सैंकड़ो घरों के हजारों लोगों को पानी की भारी किल्लत देखने को मिल रही है। पेयजल की भारी दिक्कत को देखते हुए नगर परिषद लखीसराय के निर्देश पर पानी की टंकी वार्ड नंबर 33 में घूमकर दिन भर में एक बार जलापूर्ति करने का प्रयास जरूर कर रही है इसके बाबजूद भी लोगों को पानी की जरुरत अधूरी ही रह जाती है। दूसरी तरफ लोगों ने बताया कि वार्ड 33 का जल मीनार हर महीना कुछ न कुछ दिन खराब ही रहता है इस कारण लोगों में काफी नाराजगी है इस मुद्दे को लेकर पहले भी वार्ड 33 के कई महिलाओं और पुरुषों ने धरना देकर अपनी नाराजगी जाहिर की है ताकि जल्द ही जनता को पानी की समस्या से हमेशा के लिए छुटकारा मिल सके लेकिन अभी तक भी समस्या पहले जैसी ही हैं।

लालसोट पुलिस की बड़ी कार्रवाई, 8 चोरी-नकबजनी वारदातों का खुलासा, बावरिया गैंग का मुख्य आरोपी गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले के लालसोट थाना पुलिस, स्पेशल टीम और साइबर सेल ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए क्षेत्र में हुई 8 चोरी एवं नकबजनी की वारदातों का खुलासा कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने बावरिया गैंग के मुख्य आरोपी विजय उर्फ कुण्डा बावरिया को करेल मोड़, दंतवास (टोंक) से गिरफ्तार किया है।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी और उसकी गैंग सूने मकानों की पहले रेकी करते थे और रात के समय ताले तोड़कर सोने-चांदी के आभूषण, नगदी व कीमती सामान चोरी कर फरार हो जाते थे। पिछले एक माह में लालसोट क्षेत्र में लगातार 8 वारदातों को अंजाम दिया गया था, जिससे लोगों में दहशत थी।

उच्च स्तरीय मॉनिटरिंग, सीसीटीवी विश्लेषण, तकनीकी सर्विलांस और लगातार फील्ड वेरिफिकेशन के आधार पर पुलिस ने गैंग को ट्रेस किया। पूछताछ में आरोपी ने अपने साथियों के साथ सभी वारदातें करना स्वीकार किया है। पुलिस रिमांड पर लेकर गहन पूछताछ जारी है तथा चोरी का माल बरामद करने और अन्य आरोपियों की तलाश के प्रयास किए जा रहे हैं।

मोहर्रम पर अकीदत, गम और परंपरा संग निकले 18 ताजिए, कर्बला में सुपुर्द-ए-ख़ाक किए गए

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। बाड़ी उपखंड की खबर। बाड़ी में मोहर्रम की नवमीं और दसवीं पर अकीदत, गम और धार्मिक परंपराओं के साथ ताजियों का आयोजन शांतिपूर्ण ढंग से सम्पन्न हुआ। नवमीं की रात, जिसे क़त्ल की रात के रूप में याद किया जाता है, शहर के विभिन्न मोहल्लों से ताजियों को अखाड़ा वाजी के साथ उनकी चौकियों पर मुकाम कराया गया। इस दौरान गुमट ताजिए पर युवाओं ने पारंपरिक अखाड़ों के हैरतअंगेज करतबों का प्रदर्शन किया, जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे। शिया समुदाय के युवाओं ने गुमट ताजिए पर इमाम हुसैन की शहादत की याद में नौहे पढ़े तथा मातम कर गहरे शोक का इज़हार किया। इस अवसर पर एडवोकेट ज़ाकिर रिज़वी, दानिश रिज़वी सहित शिया समुदाय के बच्चे, युवा और बुजुर्ग बड़ी संख्या में उपस्थित

रहे। शुक्रवार को मोहर्रम की दसवीं (यौमे आशूरा) पर दोपहर बाद बाड़ी के सभी ताजिए अपने-अपने मुकामों से रवाना हुए। सबसे पहले ताजिया कमेटियों द्वारा धार्मिक रस्में अदा की गईं, जिसके बाद ताजिए बाड़ी के प्रमुख मार्गों से होकर अखाड़ों, ढोल, ताशों और नगाड़ों की मातमी धुन के बीच बसेड़ी रोड स्थित कर्बला की ओर बढ़े। अखाड़ों में युवाओं ने पारंपरिक करतबों का प्रदर्शन कर लोगों का ध्यान आकर्षित किया। ताजिया जुलूस के दौरान समाजसेवी एवं कांग्रेसी रामवीर पोसवाल ने अल्पसंख्यक विभाग कांग्रेस की जिला अध्यक्ष शबनम खान सहित कांग्रेसियों के साथ मिलकर ताजिया कमेटी के पदाधिकारियों का साफा पहनाकर गर्मजोशी से स्वागत एवं सम्मान किया।इस आत्मीय स्वागत पर ताजिया कमेटी के सदस्यों ने उनका आभार व्यक्त किया। मोहर्रम इस्लामी वर्ष का पहला महीना है, और इसकी दसवीं तारीख यौमे आशूरा के रूप में मनाई जाती है। इसी दिन पैगंबर हज़रत मुहम्मद साहब के नवासे हज़रत इमाम हुसैन और उनके साथियों ने कर्बला की जंग में शहादत दी थी। उनकी इसी कुर्बानी की याद में ताजिए निकाले जाते हैं तथा लोग रोज़ा रखकर इबादत करते हैं। बाड़ी में गुमट का ताजिया सबसे बड़ा और आकर्षण का केंद्र रहा। इसके अलावा बड़ा किला, घंटाघर, संतराश पाड़ा सहित शहर के विभिन्न मोहल्लों के कुल 18 ताजिए अखाड़ों के साथ बसेड़ी रोड स्थित कर्बला पहुंचे, जहां धार्मिक परंपराओं के अनुसार मातमी माहौल में उन्हें सुपुर्द- ए- ख़ाक किया गया। वहीं शिया समुदाय के लोगों द्वारा सुबह ही ताजिए को इमामबाड़ा पर सुपुर्द-ए-ख़ाक किया गया।

मोहर्रम के पूरे आयोजन के दौरान प्रशासन द्वारा सुरक्षा के व्यापक इंतज़ाम किए गए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक श्रवण कुमार, डीवाईएसपी महेंद्र कुमार मीणा तथा थाना प्रभारी देवेंद्र कुमार शर्मा के नेतृत्व में भारी पुलिस बल तैनात रहा। अधिकारियों की निगरानी में सभी ताजिए शांतिपूर्वक निर्धारित मार्गों से निकाले गए और पूरे आयोजन के दौरान कानून-व्यवस्था पूरी तरह सामान्य रही। इस अवसर पर ताजिया कमेटी के सदर अकील कुरैशी, रशीद खान मास्टर, सचिव इसरार खान, गुमट ताजिया कमेटी के रिजवान, शकील कुरैशी उर्फ बिच्छू, अकील कुरैशी, कफील कुरैशी, नगर पालिका अधिशासी अधिकारी उत्तमचंद बंसल, किला ताजिया कमेटी के सदर मंसूर खान, मास्टर अय्यूब खान, मलिक अताउल्ला खान, नज़ीर खान, इरशाद खान, मंसूर खान, अहमद जमा खाँ, हनीफ सरदार, डबले कुरैशी सहित विभिन्न ताजिया कमेटियों के पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में लोग मौजूद रहे।

फसलों के बीज में टीका लगाएं, उपचारित करके बुवाई करें किसान

कम लागत में अधिक उत्पादन, दीमक-रोग से भी बचावः डॉ रतनलाल सोलंकी

चमकता राजस्थान

रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा। बड़ीसादड़ी कृषि विज्ञान केंद्र, चित्तौड़गढ़ के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं अध्यक्ष डॉ. रतन लाल सोलंकी ने किसानों को सलाह दी कि खरीफ में बोई जाने वाली फसलें मक्का, मूंगफली, सोयाबीन व उड़द आदि के बीजों की बुवाई करने से पहले बीज को उपचारित करके बुवाई करें। इससे कम लागत में अधिक उत्पादन लिया जा सकता है

● एफआईआर विधि से करें बीजोपचार

डॉ रतनलाल सोलंकी ने बताया कि बीज को उपचारित करने का एक निश्चित क्रम है जिसे एफआईआर कहते हैं। एफ- फफूंदनाशक दवाः पहले बीज में थाइरम/ मेन्कोजेब / कार्बेन्डाजिम दवा 2 से 3 ग्राम प्रति किलो बीज के हिसाब से मिलाएं। आई- का अर्थ कीटनाशकः फसल में दीमक आदि से सुरक्षा के लिए क्लोरोपायरीफॉस 20 ईसी 4-5 मिली प्रति किलो बीज की दर से उपचारित करें। आर- का अर्थ राइजोबियम कल्चरः जीवाणु खाद- एजेक्टोबैक्टर को बिना दाल वाली फसल में तथा दाल वाली फसल में राइजोबियम दोनों में से एक का प्रयोग नाइट्रोजन पोषक तत्व के लिए करें

● फॉस्फोरस के लिए पीएसबी जरूरी

फॉस्फेट विलायक जीवाणु (पीएसबी) सभी फसलों में फॉस्फोरस पोषक तत्व देने के लिए 600 ग्राम प्रति हेक्टेयर पी एस बी का प्रयोग करें। किसान भाई जीवाणु खाद की जगह बाजार में उपलब्ध द्रव एनपीके कंसोर्टिया से भी बीज को उपचारित कर सकते हैं

● 15-20 प्रतिशत उर्वरक की बचत

डॉ रतनलाल सोलंकी ने बताया कि उपरोक्त तरीके से किसान फसल के बीज में टीका लगाकर बुवाई करता है तो फसल में जड़गलन, कॉलर रॉट रोग का प्रकोप कम होता है। साथ ही कीटनाशक के प्रयोग से फसल में दीमक का प्रकोप कम होता है। जीवाणु खाद से बीज को उपचारित करने से फसल में 15-20 प्रतिशत नाइट्रोजन एवं फॉस्फोरस युक्त उर्वरकों की बचत की जा सकती है। इस प्रकार कम समय, कम दवा एवं कम लागत में अधिक पैदावार ली जा सकती है!

रोशनी राजीविका महिला समिति की आम सभा आयोजित

● नवीन पदाधिकारी चयनित, आजीविका बढ़ाने पर हुई चर्चा

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा/बड़ीसादड़ी। रोशनी राजीविका महिला सर्वांगीण विकास सहकारी समिति लिमिटेड, किरतपुरा की आम सभा का आयोजन शुक्रवार को बोरखेड़ा ग्राम पंचायत में किया गया। सभा में नवीन पदाधिकारियों का चयन किया गया एवं समूह से जुड़कर आजीविका बढ़ाने के तरीकों पर विस्तार से चर्चा हुई। सभा में ग्रामीण मंडल बड़ीसादड़ी अध्यक्ष तुलसीराम शर्मा, महामंत्री बाबूलाल गायरी, जिला प्रबंधक पदम जी, ब्लॉक परियोजना प्रबंधक सैयद अमर, एमआईएस मैनेजर किशन लाल तेली, एरिया कोऑर्डिनेटर वर्षा सालवी, एआरपी कमलेश जाट, एलआरपी किशनलाल रेगर, लेखापाल बेबी बेगम, क्लस्टर मैनेजर संपत मीणा सहित समस्त पदाधिकारी एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं। आरसेटी से सत्यनारायण ने भी सभा को संबोधित किया। बैठक में महिला समूहों को स्वरोजगार से जोड़कर आर्थिक रूप से सशक्त बनाने पर जोर दिया गया। पदाधिकारियों ने बताया कि राजीविका के माध्यम से महिलाएं सिलाई, पशुपालन, कृषि आधारित लघु उद्योग आदि से जुड़कर अपनी आय बढ़ा सकती हैं।

बैजूपाड़ा पुलिस की बड़ी कार्रवाई, नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाला आरोपी 23 घंटे में गिरफ्तार

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले के बैजूपाड़ा थाना पुलिस ने नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी करने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। आरोपी ने खुद को भारतीय जनता पार्टी प्रदेश कार्यालय जयपुर का कर्मचारी बताकर युवाओं को जिला मुख्यालय पर नौकरी दिलाने का झांसा दिया और रजिस्ट्रेशन व बैंक खाता खुलवाने के नाम पर कई लोगों से हजारों रुपये ऐंठ लिए। जब पीड़ित दस्तावेज लेकर दौसा कलेक्ट्रेट पहुंचे तो पूरी सच्चाई सामने आई। शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए मात्र 23 घंटे में आरोपी राजकुमार जांगिड (29) निवासी रतननगर, चूरू को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपी से गहन पूछताछ कर रही है। इस कार्रवाई में बैजूपाड़ा थाना, डीएसटी और साइबर टीम की अहम भूमिका रही।

सोजत रोड थाने में फरियादी ने अदालती लम्बित मामले को लेकर सुरक्षा की माँग की

चमकता राजस्थान

हितेष भाटी/सोजत। फरियादी शमशुद्दीन तेली मुसलमान ने सोजतरोड़ पुलिस थाने में लिखित शिकायत पेश कर मांग की कि सोजतरोड़ के खसरा नंबर 14 व 29 के संबंध में अपर जिला एवं सत्र न्यायालय सोजत में प्रकरण संख्या 2/22 व 21/22 तथा राजस्व अपील प्राधिकरण पाली में प्रकरण संख्या 2/22, व 4/24 साथ ही इससे संबंधित माननीय राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर में जनहित याचिका संख्या 14771/22 तथा राजस्व मंडल में भी प्रकरण लंबित होते हुए बेचान दस्तावेज पंजीयन करवाये पंजीयन अधिकारी ने नियम 39 का नोट लगा रखा हे । फरियादी ने अप्रार्थीगण भँवरलाल सेनचा व दिनेश सिरवी, देवाराम सिरवी, हर्षवर्धन पर झगड़ा टंटा करने का आरोप लगाते हुवे लोक शांति भंग होने का अंदेशा के लिए सुरक्षा के लिए पाबंद करने की माँग की बताया।

बालेसर में राजकीय कन्या महाविद्यालय का भव्य लोकार्पण, अब होगा बाईसा लाल कंवर इंदा के नाम से नामकरण

चमकता राजस्थान

बालेसर । बालेसर कस्बे के अमृतनगर जाने वाली सड़क पर आमजन के सहयोग से 25 लाख की लागत से रेतीलें टीलों का समतलीकरण करवा कर साढे चार करोड़ रूपये की लागत से नवनिर्मित राजकीय कन्या महाविद्यालय का लोकार्पण शेरगढ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के द्वारा किया गया । वही इसी दिन उन्होने इस कॉलेज का नामकरण बाईसा लाल कवंर ईन्दा के नाम से करवाने की घोषणा की एवं नगरपालिका

क्षेत्र में साढे सात करोड़ रूपये के विकास कार्यो की सौगात दी । शनिवार को कस्बे के अमृतनगर रोड़ पर नवनिर्मित राजकीय कन्या महाविद्यालय लोकार्पण कार्यक्रम महंत महाबलवीर गिरी जी महाराज के सानिध्य में हुआ । कार्यक्रम के मुख्य अतिथी शेरगढ विधायक बाबूसिंह राठौड़ ने फीता काटकर राजकीय कन्या महाविद्यालय का लोकार्पण किया । कार्यक्रम में उन्होने कॉलेज के लिए भूमि समतलीकरण में सहयोग करने वाले भामाशाहों को मंच पर बुलाकर माल्यार्पण करते हुऐ स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया । वही उन्होने कार्यक्रम को समबोधित करते हुऐ कहा कि बाईसा लाल कवंर ईन्दा जो कि जोधपुर के संस्थापक राव जोधा की दादीसा एवं मारवाड़ में राठौड़ सत्ता के संस्थापक राव चूंडा की महारानी थी । उनके नाम पर कॉलेज का नामकरण बाईसा लाल कंवर इंदा के नाम पर किया जायेगा । उन्होने कहा कि कॉलेज के लिए पहली बार भूमि देखी तो रेत का टीला देखकर पहली बार तो उन्होने खुद यहां पर कॉलेज बनाने का मना कर दिया । मगर बालेसर के जनमानस ने 2 महिनों में 25 लाख रूपये की राशि एकत्रित कर यहां पर भूमी का समतलीकरण करवा दिया और आज बालिका शिक्षा की एक सौगात बालेसर को मिल रही हैं। उन्होने कहा कि शेरगढ विधानसभा में पांच सरकारी कॉलेज है। और भी नये कॉलेज खुलवाये जायेगें। अब सिर्फ कन्याओं के लिए कॉलेज शुरू होने पर अब उनको अपनी पढाई बीच मे नही छोड़नी पड़ेगी ।

संक्षिप्त समाचार

ठाणे में सर्विस रोड पर टीन शेड लगाकर अतिक्रमण? शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने दी आंदोलन की चेतावनी

- आनंद नगर डी-मार्ट के सामने जी.बी. रोड का सर्विस रोड तत्काल खोलने की मांग; प्रशासन और ठेकेदार पर गंभीर आरोप

चमकता राजस्थान/अरविंद कोठारी/ठाणे। ठाणे के आनंद नगर स्थित डी-मार्ट के सामने जी.बी. रोड पर सर्विस रोड को टीन शेड लगाकर बंद किए जाने का आरोप लगाते हुए शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने कड़ी नाराजगी जताई है। पार्टी के उपविभाग प्रमुख संजय जांभिवलीकर ने सोशल मीडिया के माध्यम से इस मामले की जानकारी साझा की, जिसके बाद संबंधित प्रशासन को इसकी सूचना दी गई। इसके बाद विभाग प्रमुख प्रदीप यशवंत पूर्णेकर ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया और लाइव प्रसारण के जरिए पूरी परिस्थिति नागरिकों के सामने रखी। उन्होंने कहा कि किसी भी व्यक्ति या संस्था को सार्वजनिक सड़क बंद करने का अधिकार नहीं है। साथ ही, निर्माण कार्य में लगे मजदूरों के रहने की व्यवस्था करना संबंधित ठेकेदार की जिम्मेदारी है, न कि सार्वजनिक सड़क पर अतिक्रमण करना। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) ने मांग की है कि सर्विस रोड को तत्काल आम नागरिकों के लिए खोला जाए। यदि ऐसा नहीं किया गया तो पार्टी की ओर से लोकतांत्रिक तरीके से उग्र आंदोलन किया जाएगा। पार्टी ने यह भी कहा कि इस पूरे मामले के लिए संबंधित प्रशासन और ठेकेदार जिम्मेदार होंगे।

अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ के कार्यक्रम में पदाधिकारियों का सम्मान, जुलाई में होगा विशेष भ्रमण अभियान

चमकता राजस्थान/रिवेन्द्र कुमार शर्मा/दौसा। जिले के ग्राम कुंडल में आयोजित श्रीरामायण पाठ एवं धार्मिक अनुष्ठान के समापन अवसर पर अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ की ओर से भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम धार्मिक आस्था, सामाजिक एकता और संगठनात्मक मजबूती का संदेश देने वाला रहा। इस दौरान महासंघ के पदाधिकारियों एवं अतिथियों का सम्मान माला पहनाकर तथा खाटू श्यामजी का स्मृति चिन्ह भेंट कर किया गया। सम्मान समारोह में जिला सचिव वीनू जोशी, नरेंद्र जोशी और रामोतार चौबे कुंडल की विशेष भूमिका रही।

जिला सचिव वीनू जोशी ने अपने संबोधन में कहा कि धार्मिक आयोजन समाज को जोड़ने का सबसे प्रभावी माध्यम हैं। ऐसे आयोजनों से संस्कार, सेवा भावना और सामाजिक समरसता को नई मजबूती मिलती है। उन्होंने कहा कि समाज में आपसी संवाद और सहयोग बढ़ाने के लिए इस प्रकार के कार्यक्रम आवश्यक हैं।

दौसा तहसील अध्यक्ष रामोतार कुंडल ने घोषणा की कि आगामी जुलाई माह में अंतरराष्ट्रीय ब्राह्मण महासंघ का विशेष भ्रमण अभियान चलाया जाएगा। इस अभियान के तहत पदाधिकारी विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर समाज के प्रबुद्धजनों से संवाद करेंगे तथा संगठन विस्तार और जनकल्याणकारी गतिविधियों को गति देंगे। जिलाध्यक्ष दिनेश पाराशर ने शिक्षा, संस्कृति, सेवा और सामाजिक उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प दोहराया। कार्यक्रम में अनेक पदाधिकारी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

पानी और पक्षियों को बचाना वर्तमान युग की महती आवश्यकता : डूंगर राम गेदर

चमकता राजस्थान/चुरू /अशोक प्रजापति/छापर। नेचर एनवायरनमेंट एंड वाइल्डलाइफ सोसायटी ताल छापर के कार्यालय वार्ड नंबर 2 स्थित स्वामी गीगदास स्मृति भवन में पर्यावरण विषयक गोष्ठी का आयोजन किया गया। सोसायटी के अध्यक्ष कन्हैयालाल स्वामी ने बताया कि गोष्ठी के मुख्य वक्ता सूरतगढ़ विधायक डूंगर राम गेदर थे। गेदर ने उपस्थित को संबोधित करते हुए कहा कि वर्तमान समय में प्रदूषण के दुष्प्रभाव से इकोसिस्टम पर नकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है।हम सबको मिलकर इस दिशा में काम करना होगा। पर्यावरण संरक्षण हम सब का नैतिक दायित्व है पानी और पक्षियों को बचाना और उसकी विशुद्धता कायम रखना हमारा प्रथम दायित्व होना चाहिए। उन्होंने संस्था के पर्यावरण संरक्षण के प्रकल्पों की सराहना की।कार्यक्रम का प्रारम्भ फुले दम्पति के चित्र पर दीपक जलाकर व पुष्प अर्पित कर किया गया। सोसायटी सदस्यों द्वारा डूंगर राम गेदर का माल्यार्पण व दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया। नेमाराम प्रजापत,अमर चंद हर्षवाल ने सूरतगढ़ विधायक को गौरैया बचाओ अभियान
के तहत गौरैया आवास व बर्ड फीडर भेंट किया। कार्यक्रम में वरिष्ठ एडवोकेट सूर्य प्रकाश स्वामी, ओमप्रकाश गोस्वामी, सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी धन्नाराम प्रजापत, पन्नालाल मेघवाल,चंचल गर्ग,मनोज सोनी, राजकुमार प्रजापत, अशोक प्रजापत, वेदु प्रजापत,राजकुमार स्वामी, कानाराम माणधणिया, रेंवतराम माणधणिया, कैलाश मिणोठियां, निर्मल स्वामी,हीरालाल भोभारिया, महावीर भोभरिया, संजय हर्षवाल,प्रेमराज सरस्वा,कन्हैयालाल नाई, मनीष रक्षक, भगीरथ प्रजापत आदि उपस्थित रहे। कार्यक्रम संचालन जितेंद्र स्वामी ने किया।

धर्मेंद्र प्रधान की होगी छुट्टी?

निर्मला सीतारमण का बदल सकता है मंत्रालय; मोदी कैबिनेट....

नयी दिल्ली।

मोदी कैबिनेट का चंद दिनों में विस्तार हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, पीएम मोदी के विदेश दौरे से आने के तुरंत बाद विस्तार किया जा सकता है। अटकलें लग रही हैं कि इसमें कई बड़े नामी चेहरों पर गाज गिर सकती है, जबकि कई वरिष्ठ भाजपा सांसदों के मंत्रालयों को भी बदला जा सकता है। आरबीआई के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास की भी बतौर मंत्री एंट्री हो सकती है।सूत्रों की मानें तो केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, हरदीप सिंह पुरी, नितिन गडकरी, मनोहर लाल खट्टर कुछ ऐसे बड़े नाम हैं, जिनके मंत्रालय में बदलाव की अटकलें हैं। निर्मला

सीतारमण से वित्त मंत्रालय लेकर आरबीआई के पूर्व गवर्नर शक्तिकांत दास को दिया जा सकता है। इसके अलावा, केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी की जगह हाल ही में आम आदमी पार्टी से भाजपा में आए युवा चेहरे और पेशे से चार्टर्ड अकाउंटेंट राघव चड्ढा को प्रभार मिल सकता है। पंकज चौधरी के यूपी भाजपा अध्यख बनने से मंत्रिमंडल से उनकी छुट्टी तय है। इतना ही नहीं, निर्मला सीतारमण का मंत्रालय बदला जा सकता है। उन्हें धर्मेंद्र प्रधान की जगह शिक्षा विभाग दिया जा सकता है। सीतारमण पिछले सात सालों से वित्त मंत्री की जिम्मेदारी निभा रही हैं। उनके नेतृत्व में ही इनकम टैक्स लिमिट को बढ़ाकर 12 लाख रुपये सालाना तक किया गया, जिसमें उनकी काफी प्रशंसा हुई। अब सूत्रों की मानें तो उनके विभाग को बदलने पर चर्चा चल रही है। नीट पेपर लीक से विवादों में आए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को मंत्रिमंडल से बाहर किया जा सकता है। पेपर लीक के चलते प्रधान लगातार विपक्ष के निशाने पर रहे। कांग्रेस से लेकर तमाम विपक्षी दल पीएम मोदी से प्रधान को हटाने की मांग कर रहे हैं।मोदी कैबिनेट में इस बार कई नए चेहरों की एंट्री हो सकती है। शक्तिकांत दास को वित्त मंत्रालय मिल सकता है, जबकि पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर को फिर से कैबिनेट मिनिस्टर बनाया जा सकता है। इसके अलावा, ममता बनर्जी से बगावत करने वाले सुखेंदु शेखर राय को भी मंत्रिमंडल में शामिल किया जा सकता है। चर्चा है कि पंजाब के अमृतसर के रहने वाले तरुण चुघ को भी कैबिनेट में शामिल किया जा सकता है। अगले साल होने वाले पंजाब विधानसभा चुनाव से पहले इस नियुक्ति की काफी अहमियत होगी।

22 घंटे का सफर अब सिर्फ 12 घंटे में

दिल्ली-वडोदरा रूट पर शुरू हुई 8-लेन की पहली वाइल्डलाइफ टनल

दिल्ली-वडोदरा

राजस्थान के कोटा के नजदीक देश में किसी अभयारण्य के नीचे बनाई गई पहली आठ-लेन सुरंग (टनल) सुरक्षात्मक जांच के बाद चालू कर दी गई है। कुछ दिनों तक कारों के साथ ही अन्य आपातकालीन बड़े वाहन निकलेंगे। धीरे-धीरे सभी प्रकार के वाहन निकल सकेंगे। इसके चालू होने से न केवल दिल्ली से वडोदरा तक का सफर सुगम होगा बल्कि मुकुंदरा हिल्स टाइगर रिजर्व में 25 किलोमीटर घुमावदार रास्तों से नहीं गुजरना पड़ेगा। वाहन सीधे निकल जाएंगे। इससे समय की भारी बचत होगी। फिलहाल दिल्ली से वडोदरा जाने में कम से कम 20 से 22 घंटे लगते हैं। अब 10 से 12 घंटे में ही वडोदरा पहुंच जाएंगे। इससे समय व ईंधन दोनों की भारी बचत होगी। पर्यावरण का भी संरक्षण होगा। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली से देश की आर्थिक राजधानी मुंबई की कनेक्टिविटी बेहतर करने के लिए 1380 किलोमीटर लंबे दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे का निर्माण किया जा रहा है। प्रोजेक्ट का सबसे चुनौतीपूर्ण हिस्सा कोटा के नजदीक मुकुंदरा

हिल्स टाइगर रिजर्व के नीचे सुरंग का निर्माण था। इलाके में काफी संख्या में वन्यजीव हैं। वे पूरे इलाके में विचरण करते रहते हैं। वन्यजीव अशांत न हों और सुरंग का काम भी न रुके, दोनों का ध्यान रखना काफी चुनौतीपूर्ण कार्य था। इस वजह से इसके निर्माण में कई महीनों की देरी हुई। लगभग 10 दिनों तक लगातार सुरक्षात्मक जांच किए जाने के बाद इसे चालू कर दिया गया है। हालांकि अभी इसे भारी वाहनों के लिए नहीं खोला गया है।अगले कुछ दिनों तक कारों के ही निकलने से पता चल जाएगा कि कहीं कुछ कमी तो नहीं। मोबाइल नेटवर्क की क्या स्थिति है, यह भी पता चल जाएगा। यदि नेटवर्क में दिक्कत आएगी फिर सुरंग के भीतर ही टेलीकॉम कंपनियों को अपना सिस्टम विकसित करने के लिए कहा जाएगा। एनएचएआई के परियोजना निदेशक (कोटा) संदीप अग्रवाल का कहना है कि जल्द ही सुरंग को विधिवत चालू किया जाएगा। नेटवर्क की दिक्कत सुरंग में रहती है। इसे ध्यान में रखकर तैयारी की जा रही है।

चंपत राय की जगह कौन लेगा? 11 जुलाई को बुलाई गई राम जन्मभूमि ट्रस्ट की बैठक

अयोध्या।

अयोध्य श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और सदस्य डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे की खबर की पुष्टि हो गई। शनिवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के कोषाध्यक्ष स्वामी गोविंद देवगिरी ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर बयान दिया है। जारी किए गए बयान में कहा गया है कि ट्रस्ट के महामंत्री चंपत राय और न्यासी डॉ. अनिल मिश्रा के इस्तीफे प्राप्त हो गए हैं। इन इस्तीफों पर ट्रस्ट की आगामी बैठक में विचार किया जाएगा। इस्तीफे के बाद चपंत राय और ट्रस्टी अनिल मिश्रा का दायित्व कौन संभालेगा? यह सवाल उठने लगे हैं और इसको लेकर चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। हालांकि इस पर कोई बयान नहीं आया है। उधर, चर्चा है कि11 जुलाई को राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने बड़ी बैठक बुलाई

गई। इस बैठक में कई अहम फैसले लिए जा सकते हैं। राम मंदिर चढ़ावा प्रकरण के बीच शुक्रवार को श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय और ट्रस्टी डॉ. अनिल मिश्र के इस्तीफे की चर्चाएं पूरे दिन सुर्खियों में रहीं। शनिवार को ट्रस्ट का पहला बयान आया है। बयान में ट्रस्ट ने श्रद्धालुओं को आश्वस्त भी किया कि जिन भक्तों ने चांदी की ईंटें, आभूषण और अन्य मूल्यवान वस्तुएं प्रभु श्रीराम की सेवा के लिए ट्रस्ट अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से सौंपी थीं, वे सभी वस्तुएं सुरक्षित हैं और उनका पूरा हिसाब उपलब्ध है। अनिल मिश्रा के इस्तीफे के बाद चर्चाएं तेज हो गईं कि उनकी जगह कृष्ण मोहन ले सकते हैं। राम जन्मभूमि परिसर के सूत्र बताते हैं कि डॉ अनिल मिश्रा के इस्तीफे बाद उनका दायित्व कृष्ण मोहन को सौंपे जाने की सुगबुगाहट तेज है। चढ़ावे चोरी मामले में आरोपियों पर एफआईआर में वादी बनने के बाद श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य कृष्ण गोपाल का नाम सुर्खियों में आ गया। गुरुवार देर शाम से सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफार्म पर उनके इतिहास को खोजा जाने लगा। इतनी प्रसिद्धि उन्हें ट्रस्ट का सदस्य बनते समय नहीं मिली थी। फिर दर्ज कराने के साथ मिली।जानकार बताते हैं कि सरकारी नौकरी से रिटायर होने के बाद उन्हें संघ चालक फिर जिला इसके बाद प्रांत और क्षेत्रीय संघचालक तक का सफर तय किया। संघ ने उनके कार्यों की गणना करने के बाद ही उन्हें मंदिर में दायित्व सौंपा है। जानकार बताते हैं कि बदली स्थिति- परिस्थिति में उन्हें डॉ. अनिल मिश्रा का प्रमुख दायित्व सौंपा जा सकता है। संघ के सूत्र बताते हैं कि कृष्ण गोपाल का दामन बेदाग है और उनके कार्यों की प्रशंसा संगठन का शीर्ष नेतृत्व करता है।

जयपुर में 'करण प्रोडक्शन हाउस' के भव्य पोर्टफोलियो शूट का हुआ प्री-लॉन्च; टॉप मॉडल्स बिखेरेंगी जलवा

चमकता राजस्थान/अविनाश शर्मा/जयपुर। पिंक सिटी के उभरते और स्थापित मॉडल्स को एक बेहतरीन प्रोफेशनल प्लेटफॉर्म देने के उद्देश्य से करण प्रोडक्शन हाउस द्वारा आयोजित किए जा रहे एक्सक्लूसिव पोर्टफोलियो शूट का कल जयपुर में भव्य प्री-लॉन्च किया गया।

यह विशेष फोटोशूट वायु रिकॉर्ड्स के नवीन कुमावत के सौजन्य से आयोजित किया जा रहा है, जिसमें जयपुर की कई टॉप मॉडल्स हिस्सा लेकर अपने हुनर का जलवा बिखेरेंगी। करण प्रोडक्शन हाउस के सीईओ अंकेश माथुर ने प्री-लॉन्च के मौके पर मीडिया से बात करते हुए कहाः अक्सर जयपुर और आस-पास के क्षेत्रों में मॉडल्स को वो इंटरनेशनल स्टैंडर्ड और प्रोफेशनल फोटोशूट नहीं मिल पाता, जिसकी उन्हें इंडस्ट्री में आगे बढ़ने के लिए जरूरत होती है। इसी कमी को दूर करने के लिए हमने एक खास प्रोफेशनल स्कीम तैयार की है, जो हमारे शहर के मॉडल्स को एक टॉप-क्लास, हाई-एंड पोर्टफोलियो फोटोशूट प्रदान करेगी।

वैदिक मंत्रोच्चार के साथ हुआ बालाजी एवं गंगा मैया मंदिर निर्माण का भूमि पूजन, भक्तिमय माहौल में जुटा समाज

चमकता राजस्थान/ब्यावर। रेगरान मोहल्ला, छोटा बास स्थित प्रस्तावित श्री बालाजी एवं गंगा मैया मंदिर तथा संपूर्ण मंदिर परिसर की बाउंड्री निर्माण के उपलक्ष्य में शनिवार प्रातः 7:15 बजे वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान के साथ भूमि/नींव पूजन का धार्मिक आयोजन श्रद्धा और आस्था के वातावरण में संपन्न हुआ। इस पावन अवसर पर समाज के महिला एवं पुरुष बड़ी संख्या में उपस्थित रहे तथा सभी ने मंदिर निर्माण के इस पुण्य कार्य में उत्साहपूर्वक सहभागिता निभाई।

कार्यक्रम का शुभारंभ विद्वान आचार्यों द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भूमि पूजन एवं हवन-अनुष्ठान के साथ किया गया। पूरे मंदिर परिसर में धार्मिक उल्लास, भक्ति और आध्यात्मिक ऊर्जा का वातावरण देखने को मिला। महिलाओं ने पारंपरिक मंगल गीत एवं भूमि पूजन के लोकगीत प्रस्तुत कर कार्यक्रम को और अधिक भक्तिमय बना दिया। श्रद्धालुओं ने भगवान श्री बालाजी एवं मां गंगा से समाज की सुख-समृद्धि, शांति और कल्याण की कामना की।

इस अवसर पर एडवोकेट घनश्याम फुलवारी ने अपनी धर्मपत्नी के साथ विधिवत भूमि/नींव पूजन किया। उन्होंने कहा कि मंदिर केवल पूजा-अर्चना का स्थान नहीं, बल्कि समाज को एकजुट करने, संस्कारों को सहेजने और नई पीढ़ी को धार्मिक एवं सांस्कृतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रमुख केंद्र होता है। उन्होंने समाज के सभी लोगों का कार्यक्रम में सहभागिता के लिए आभार व्यक्त करते हुए मंदिर निर्माण कार्य में तन, मन और धन से सहयोग देने का आह्वान किया।

3 दिवसीय राजकीय यात्रा पर सेशेल्स पहुंचे पीएम मोदी, नेशनल असेंबली को करेंगे संबोधित

नई दिल्ली।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज सेशेल्स की राजकीय यात्रा पर पहुंच गए हैं। सेशेल्स गणराज्य के राष्ट्रपति डॉ. पैट्रिक हर्मिनी के निमंत्रण पर प्रधानमंत्री 27 से 29 जून तक यहां रहेंगे और देश के राष्ट्रीय दिवस की स्वर्ण जयंती समारोह में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लेंगे। यह यात्रा दोनों देशों के बीच 50 वर्षों के राजनयिक संबंधों की वर्षगांठ के अवसर पर हो रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने यात्रा से पहले जारी बयान में कहा कि सेशेल्स भारत का महत्वपूर्ण समुद्री पड़ोसी है और 'विजन महासागर' तथा वैश्विक दक्षिण के प्रति साझा प्रतिबद्धता में प्रमुख भागीदार। फरवरी 2026 में राष्ट्रपति हर्मिनी की भारत यात्रा के बाद यह मुलाकात दोनों देशों की स्थायी मित्रता को और मजबूत करेगी। इस दौरान प्रधानमंत्री सेशेल्स की राष्ट्रीय सभा को संबोधित करने वाले पहले भारतीय प्रधानमंत्री बनेंगे, जो दोनों देशों के मजबूत लोकतांत्रिक मूल्यों और संसदीय परंपराओं का प्रतीक है। सेशेल्स हिंद महासागर क्षेत्र में भारत की समुद्री सुरक्षा और समृद्धि की रणनीति का अहम हिस्सा है। यह द्वीपसमूह पश्चिमी हिंद महासागर में स्थित है, जहां महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग गुजरते हैं। भारत 'महासागर' विजन के तहत सेशेल्स के साथ समुद्री डोमेन अवेयरनेस, एंटी-पायरेसी, ब्लू इकॉनोमी और जलवायु संरक्षण जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ा रहा है। सेशेल्स का बड़ा एक्सक्लूसिव इकॉनोमिक जोन और मछली पालन-पर्यटन आधारित अर्थव्यवस्था भारत के लिए ब्लू इकोनॉमी साझेदारी का अवसर प्रदान करती है। बताते चलें कि भारतीय नौसेना के दो जहाज और सशस्त्र बलों की टुकड़ी भी वहां आयोजित होने वाली समारोह में भाग लेगी। सेशेल्स छोटा सा द्वीप देश है लेकिन हिंद महासागर में उसकी भौगोलिक स्थिति काफी महत्वपूर्ण है। दोनों देश लोकतंत्र, विविधता के सम्मान और लोगों के बीच गहरे सांस्कृतिक संबंधों पर आधारित 50 साल पुरानी मित्रता साझा करते हैं।

भरत तिवारी को 5 गोलियां लगीं थी

भोजपुर के बिलौटी में हुए एनकाउंटर की पोस्टमार्टम रिपोर्ट ने सबकुछ कर दिया क्लियर

भोजपुर। बिहार के भोजपुर में हुए भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर मामले में सियासत गर्म है. हर तरफ इसकी चर्चा हो रही है. इसी बीच पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आई है. जिसमें कहा गया है कि भरत तिवारी को पांच गोली लगी थी. पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के मुताबिक, भरत तिवारी को पांच गोलियां लगी थीं. पहली गोली बाईं जांघ के ऊपरी अगले हिस्से में लगी. दूसरी बाईं जांघ के बीच के अंदरूनी हिस्से में लगी. तीसरी गोली दाईं जांघ के बीच के अंदरूनी हिस्से में लगी, जबकि चौथी गोली दाईं जांघ के बाहरी हिस्से के अंदरूनी हिस्से में लगी. पांचवीं गोली बाएं पैर के बीच के पिछले हिस्से में लगी. दरअसल, जब भरत भूषण तिवारी को गंभीर हालत में शाहपुर पुलिस इलाज कराने अस्पताल लेकर गई थी, उसवक्त भी डॉक्टर ने 4-5 गोली लगने की बात कही थी. आरा सदर अस्पताल के सर्जन डॉ एम एच अंसारी ने कहा था कि पैर में और पेट के निचले हिस्से में गोली मारी गई थी. मरीज शॉक में था, काफी खून बह गया था. अंदरूनी चोट काफी थी. गोली लगने से ये हालत हुई थी. उसको 4-5 गोली लगी थी. उसकी स्थिति बेहद गंभीर थी. हमलोगों ने इलाज कर उसे हायर सेंटर रेफर कर दिया। इस बीच मृतक की मां आशा देवी ने कहा, मुझे एसपी पर भरोसा नहीं है. उन्होंने ही (एनकाउंटर का) ऑर्डर दिया था. डीएम ने एसपी को ऑर्डर दिया और फिर यह हुआ. हम न्याय की मांग करते हैं, हम इसके लिए हाई कोर्ट और दिल्ली भी जाएंगे. मैं जांच से खुश नहीं हूं. मुझे सीएम पर भी भरोसा नहीं है. सीबीआई जांच होनी चाहिए. उसे (उसके दूसरे बेटे, चंदन तिवारी) को धमकाया गया, एसपी उसे एक कोने में ले गया और कहा कि मीडिया से बात मत करना वरना उसे भी भारत की तरह मार दिया जाएगा। एसपी का ट्रांसफर कर देना चाहिए। भरत भूषण तिवारी एनकाउंटर केस पर राज्यसभा सांसद और जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा, मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि जो भी दोषी पाया जाएगा, उस पर कार्रवाई होगी. जांच भी शुरू हो गई है, और इसकी जिम्मेदारी एक रिटायर्ड जज को दी गई है. जो रिपोर्ट आएगी, उसके आधार पर सरकार कार्रवाई करेगी. दरअसल, 17 जून को बिलौटी गांव में एनकाउंटर हुआ था, जिसमें भरत भूषण तिवारी की मौत हो गई थी. परिजनों ने आरोप लगाया था कि हथियार फेंकने के बाद पुलिस ने भरत को गोली मार दी थी. मामले को लेकर काफी विवाद हुआ. इसके बाद एसडीपीओ और एसएचओ समेत 5 पुलिसकर्मियों पर प्राथमिकी दर्ज की गई।

बांकीपुर उपचुनाव लड़ेंगे प्रशांत किशोर?

पटना। जनसुराज के संस्थापक प्रशांत किशोर ने बांकीपुर उपचुनाव को लेकर बड़ा ऐलान किया है. प्रशांत किशोर ने कहा है कि अगर बांकीपुर सीट से विधानसभा का उपचुनाव लड़ना पड़ा तो वे चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि बीजेपी को हराने के लिए जो कुछ करना पड़े वो करेंगे. बांकीपुर सीट बीजेपी के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन के इस्तीफे के बाद खाली हुई है. पटना में एक सभा के दौरान जनसुराज नेता प्रशांत किशोर से जब पूछा गया कि, क्या आप बांकीपुर से चुनाव लड़ेंगे?. इस सवाल पर उन्होंने कहा कि, बीजेपी को हराने के लिए, सम्राट चौधरी को उनकी जगह बताने के लिए, मोदी और अमित शाह को बताने के लिए कि आपने गलत इंसान को मुख्यमंत्री के तौर बिहार पे थोपा है, इसके लिए जो भी करना पड़े वो किया जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि, अगर बांकीपुर से चुनाव लड़ना पड़े तो बांकीपुर से चुनाव लड़ेंगे. बांकीपुर विधानसभा बीजेपी 40-45 साल से नहीं हारी।

नीतीश कुमार से मिले आरसीपी सिंह, प्रणाम का जवाब इशारों में

पटना। आरसीपी सिंह ने लंबे समय के इंतजार के बाद आखिरकार बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात की. लेकिन इस मुलाकात में एक चौंकाने वाली तस्वीर सामने आई. इस मुलाकात की जानकारी खुद आरसीपी सिंह ने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक तस्वीर पोस्ट करके साझा की है. बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और आरसीपी सिंह की इस मुलाकात के बारे में खुद आरसीपी सिंह ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी. उन्होंने अपने पोस्ट में लिखा, बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री ,जनता दल (यूनाइटेड)के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं राज्य सभा सांसद, हमारे नेता आदरणीय नीतीश बाबू से भेंट हुई. उनसे बातचीत हुई. मुलाकात बहुत आत्मीय रही. जेडीयू सूत्रों की माने तो नीतीश कुमार के मिलने पहुंचे आरसीपी सिंह उनके आवास पर पहुंचे थे. इस दौरान काफी देर तक अपने समर्थकों के साथ आवास के बाहर बैठे रहे. इस बीच जब नीतीश कुमार बाहर निकले तो उनकी नजर आरसीपी सिंह पर पड़ी. उन्होंने खड़े होकर तुरंत हाथ जोड़कर प्रणाम किया. तस्वीरों में दिख रहा है कि आरसीपी नीतीश कुमार के पास खड़े थे. नीतीश कुमार वहां मौजूद कार्यकर्ताओं और नेताओं से मिले, उनसे बातचीत की, लेकिन उन्होंने आरसीपी सिंह की तरफ देखा और प्रणाम का जवाब दिया और फिर वहां मौजूद कार्यकर्ता से बातचीत करने लगे. इसके बाद आरसीपी सिंह से बातचीत किए बिना अंदर चले गए।

भोजपुर के शाहपुर का युवक 9 महीने से लापता, पुलिस से गुहार के बावजूद परिवार परेशान

आरा (भोजपुर)। भोजपुर जिले के शाहपुर थाना क्षेत्र के अंतर्गत एक युवक पिछले कई महीनों से लापता है, जिससे उसका परिवार गहरे सदमे और चिंता में है। शाहपुर वार्ड संख्या-2 निवासी मोहम्मद जमील शाह ने बताया कि उनका बड़ा बेटा मोहम्मद अहमद हुसैन शाह (उर्फ राजा) 22 सितंबर 2025 की सुबह करीब 7 बजे से लापता है। परिजनों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, युवक के लापता होने की सूचना 28 सितंबर 2025 को ही शाहपुर थाने में दी गई थी, जिसे लेकर शिकायत संख्या (रूऊठङ्क. 1004/2025) भी दर्ज की गई थी। पिता मोहम्मद जमील शाह का आरोप है कि उन्होंने अपने स्तर पर युवक की बहुत खोजबीन की, लेकिन अभी तक कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस प्रशासन द्वारा भी अब तक कोई ठोस जानकारी नहीं दी गई है। पीड़ित पिता ने आशंका जताई है कि उनके बेटे के साथ कोई अनहोनी न हो गई हो। उन्होंने प्रशासन से तत्काल मामले में कानूनी कार्रवाई तेज करने और अपने बेटे को खोजने की गुहार लगाई है। यदि किसी को भी मोहम्मद अहमद हुसैन शाह (उर्फ राजा) के बारे में कोई जानकारी मिले, तो कृपया तुरंत उनके पिता से मोबाइल नंबर 9931278926 पर संपर्क करें। परिवार ने आम लोगों से भी मदद की अपील की है। सूचना देने वाले की पहचान गुप्त रखी जाएगी।

बीजेपी कार्यकर्ताओं के लिए संस्थापकों के मूल्य और आदर्श सर्वोपरि: सीएम योगी

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2027 की तैयारियों में जुटी भारतीय जनता पार्टी, अब अपने कार्यकर्ताओं की बैठकों और कार्यक्रमों को रणनीतिक प्रशिक्षण का हिस्सा बना रही है. ऐसे ही एक कार्यक्रम का आयोजन शनिवार को गोरखपुर महानगर में रहने वाले प्रदेश और राष्ट्रीय स्तर के पदाधिकारियों के लिए किया गया, जिसको संबोधित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए. योगी आदित्यनाथ ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी ने मूल्यों और आदर्शों की राजनीति अपनाकर शून्य से शिखर तक की यात्रा की है. 1985 में मात्र दो लोकसभा सीट हासिल करने वाली इस पार्टी की आज केंद्र सहित देश के 21 राज्यों में स्वयं की सरकार है. दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में भाजपा की यात्रा सत्ता प्राप्त की यात्रा नहीं है, बल्कि यह सुरक्षा, सुशासन, समृद्धि और की बेहतरीन यात्रा है. मुख्यमंत्री ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान 2026 के अंतर्गत इसमें शामिल प्रतिभागियों को 'दल से पहले देश' और 'व्यक्ति से पहले समाज' के भाव से आगे बढ़ते रहने को प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि भाजपा आज दुनिया के सबसे बड़े राजनीतिक दल के रूप में लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास की प्रतीक बनी है, तो इसके पीछे भारतीय जनसंघ के समय से पार्टी के संस्थापकों के आदर्शों और संस्कारों से मिली प्रेरणा है. सीएम योगी ने पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के उद्धरण, 'बिना मूल्यों और आदर्शों वाली राजनीति मौत का फंदा है' का जिक्र करते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ताओं के लिए संस्थापकों के मूल्य और आदर्श सदैव सर्वोपरि हैं. सीएम ने कहा कि भाजपा सरकार ने देश में आंतरिक सुरक्षा का मॉडल दिया है. 2014 के पहले दुश्मन देश सैनिकों से क्रूरता करते थे. सरकारें तब बोलती नहीं थी, उन्हें देश की कम संबंध की चिंता रहती थी. 2014 के बाद सरकार ने दुश्मन की आंख में आंख मिलाने का सामर्थ्य दिया. एयर स्ट्राइक और सर्जिकल स्ट्राइक के जरिये दुनिया के सामने अपने सामर्थ्य और ताकत का परिचय दिया है. मुख्यमंत्री ने कहा कि 2014 के पहले कश्मीर जल रहा था, पूर्वोत्तर के राज्यों में उग्रवाद चरम पर था, देश के 120 जिलों में नक्सलवाद हावी था. आज की सरकार ने कश्मीर में आतंकवाद को कुचल दिया. पूर्वोत्तर के राज्यों में उग्रवाद समाप्त हो चुका है, नक्सलवाद एक-दो जिलों तक सीमित है और बहुत शीघ्र वहां भी खत्म हो जाएगा. मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि सुरक्षा के बेहतर माहौल में ही विकास संभव होता है. सुरक्षा का वातावरण बनने के कारण ही आज इंफ्रास्ट्रक्चर, रोड कनेक्टिविटी, हाईवे एक्सप्रेसवे, एयरपोर्ट, इनलैंड वाटरवे, मेट्रो, रोपवे और लॉजिस्टिक के कार्य बड़े पैमाने पर हो रहे हैं. उन्होंने कहा कि इंफ्रास्ट्रक्चर, विकास की प्राथमिक आवश्यकता है. इंफ्रास्ट्रक्चर जितना मजबूत होगा, विकास भी उतनी ही तेजी से होगा।

भूमाफिया पर चला नगर निगम का महाबली

अलीगढ़। सरकारी संपत्तियों को अतिक्रमण मुक्त कराने के अभियान के तहत 27 जून को अलीगढ़ नगर निगम और जिला प्रशासन ने एक बड़ी संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया। खैर रोड स्थित सांवरिया लॉज के सामने, कस्बा कोल (गाटा संख्या 2516) पर अवैध कब्जे के खिलाफ जमकर 'महाबली' (जेसीबी) गरजा। इस कार्रवाई से लगभग 60 करोड़ रुपये की बेशकीमती सरकारी जमीन को भू माफिया के चंगुल से मुक्त करा लिया गया है। 27 जून को सहायक नगर आयुक्त वीर सिंह, संपत्ति लिपिक विजय गुप्ता और तहसीलदार कोल की नायब तहसीलदार श्वेता सिंह के नेतृत्व में एक संयुक्त टीम मौके पर पहुंची। भारी पुलिस बल और जेसीबी मशीनों के साथ टीम ने अवैध अतिक्रमण को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। इसके तुरंत बाद नगर निगम ने जमीन को अपने कब्जे में लेकर वहां 'नगर निगम स्वामित्व' का बोर्ड स्थापित कर दिया।

चोर दूसरे को भी चोर समझता है: ओपी राजभर

अंबेडकरनगर। यूपी में अंबेडकरनगर के प्रभारी एवं प्रदेश सरकार में कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर शनिवार को जनपद पहुंचे। उन्होंने अकबरपुर क्षेत्र के मुबारकपुर डैय्याडीह गांव में आयोजित जन चौपाल में हिस्सा लिया। इस दौरान सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी दी। कार्यक्रम के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल और विपक्ष पर तीखा हमला बोला। ओपी राजभर ने अयोध्या दौरे के दौरान अरविंद केजरीवाल द्वारा रामलला मंदिर में दान चोरी के मामले में सरकार पर लगाए गए आरोपों पर कहा कि सूप तो सूप, चलनी बोले जिसमें बहत्तर छेद। केजरीवाल हाल ही में कथित शराब घोटाले के मामले में जेल से बाहर आए हैं। उनकी गिरफ्तारी सीबीआई ने की थी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि एक चोर दूसरे को भी चोर समझता है। मंदिर ट्रस्ट और सरकार का इस मामले से कोई लेना-देना नहीं है। ट्रस्ट की मांग पर एसआईटी जांच कर रही है। एफआईआर दर्ज की जा चुकी है। आरोपियों की गिरफ्तारी भी हो चुकी है। पूरे मामले में निष्पक्ष कार्रवाई की जा रही है। इससे पहले जन चौपाल में उन्होंने प्रदेश सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं और विकास कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि सरकार अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। अधिकारियों को जनसमस्याओं के त्वरित और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण के निर्देश भी दिए।

गढ़वा के खरौंधी स्थित कस्तूरबा विद्यालय में आठ और छात्राएं बीमार, डीसी ने स्कूल के कर्मियों को किया सेवा मुक्त

गढ़वा।

जिले के खरौंधी स्थित कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में छात्राओं के बीमार पड़ने का सिलसिला जारी है. शुक्रवार को 100 से ज्यादा छात्राएं बीमार पड़ गईं थी, वहीं शनिवार को भी आठ और छात्राएं बीमार हो गईं. उन्हें इलाज के लिए भवनाथपुर सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया है. छात्राओं के बीमार पड़ने के बाद, उनके अभिभावक स्कूल पहुंचे और ग्रिल तोड़कर अंदर दाखिल हो गए और हंगामा किया. स्थिति तनावपूर्ण होने पर पुलिस को हल्का बल भी प्रयोग करना पड़ा. वहीं स्कूल के खिलाफ प्रशासन ने कार्रवाई की है. गढ़वा के उपायुक्त पीएन मिश्रा ने एक कर्मी को छोड़कर बाकी सभी कर्मियों को सेवा मुक्त कर दिया है. यह घटना शुक्रवार देर शाम शुरू हुई, जब खरौंधी कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय की सौ से ज्यादा छात्राएं दूषित भोजन और टंकी का गर्म पानी पीने के बाद बीमार पड़ गईं. उन्हें भवनाथपुर सामुदायिक अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां इलाज के बाद वे अपने-अपने घर लौट गईं. शनिवार को उसी स्कूल की आठ और छात्राएं बीमार पड़ गईं, जिससे अभिभावकों में आक्रोश फैल गया. वे स्कूल पहुंचे और हंगामा किया. गढ़वा डीसी पीएन मिश्रा ने तुरंत स्कूल का निरीक्षण किया. स्कूल प्रबंधन की लापरवाही सामने आने पर, डीसी ने सख्त कार्रवाई करते हुए कर्मियों को बर्खास्त कर दिया. इसके बाद, उपायुक्त ने भवनाथपुर सामुदायिक अस्पताल जाकर बीमार छात्राओं से मुलाकात की और उनका हाल-चाल जाना. उपायुक्त पीएन मिश्रा ने बताया कि खरौंधी कस्तूरबा स्कूल की छात्राएं शुक्रवार रात अचानक बीमार पड़ गई थीं. राहत कार्यों की निगरानी के लिए तुरंत एसडीएम और अन्य अधिकारियों को भेजा गया. सभी छात्राओं का इलाज भवनाथपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में किया गया. कुछ छात्राएं आज फिर बीमार पड़ गईं और उनका भी इलाज चल रहा है. सभी खतरे से बाहर हैं. डीसी ने आगे बताया कि उन्होंने खुद कस्तूरबा स्कूल का निरीक्षण किया, जहां प्रबंधन की लापरवाही साफ दिखी. उन्होंने तुरंत एक कर्मी को छोड़कर बाकी सभी कर्मियों को कार्य मुक्त कर दिया और एसडीए को विस्तृत जांच कर रिपोर्ट सौंपने का निर्देश दिया है. स्कूल में अभी मौजूद छात्राओं को विशेष निगरानी में रखा गया है. उन्होंने सख्त लहजे में कहा कि जो भी दोषी पाया जाएगा, उसे बख्शा नहीं जाएगा. अभिभावकों द्वारा किए गए हंगामे के मुद्दे पर उन्होंने कहा कि ऐसे मामलों में अभिभावकों का परेशान होना स्वाभाविक है. हालांकि, किसी को भी कानून अपने हाथ में लेने की इजाजत नहीं है।

मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान में सभी मतदाता से एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाना सुनिश्चित करें: संतोष कुमार सिंह

धनबाद। धनबाद जिला कांग्रेस कमेटी की एक महत्वपूर्ण ऑनलाइन बैठक जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह की अध्यक्षता में जूम एप के माध्यम से आयोजित की गई। बैठक में जिले के सभी 18 प्रखंड एवं नगर अध्यक्ष, विधानसभा प्रभारी शामिल हुए। बैठक में विशेष गहन मतदाता सूची पुनरीक्षण अभियान की समीक्षा करते हुए जिला अध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने कहा कि अब अनमैप्ड मतदाताओं की मैपिंग का चरण पूर्ण हो चुका है। अब संगठन की सर्वोच्च प्राथमिकता प्रत्येक पात्र मतदाता का एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाना है, ताकि किसी भी योग्य नागरिक का नाम मतदाता सूची से हटने की संभावना न रहे। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार हर मतदाता को अपना अलग-अलग एन्यूमरेशन फॉर्म भरना अनिवार्य है, चाहे उसके विवरण में कोई परिवर्तन हुआ हो या नहीं। यदि किसी परिवार में पांच मतदाता हैं, तो सभी पांचों का अलग-अलग फॉर्म भरना आवश्यक होगा। फॉर्म संबंधित बीएलओ के माध्यम से जमा किया जा सकता है अथवा ऑनलाइन भी भरा जा सकता है। जिला अध्यक्ष ने कांग्रेस द्वारा नियुक्त सभी बीएलए-2 को निर्देश दिया कि वे अपने-अपने बूथ क्षेत्रों में घर-घर जाकर मतदाताओं को फॉर्म भरने के लिए प्रेरित करें तथा आवश्यक सहयोग प्रदान करें। उन्होंने कहा कि जानकारी के अभाव, लापरवाही अथवा तकनीकी कारणों से कोई भी पात्र मतदाता अपने लोकतांत्रिक अधिकार से वंचित नहीं होना चाहिए। जिलाध्यक्ष संतोष कुमार सिंह ने अपने सभी.बीएलए को प्रमाण पत्र के रूप पहचान पत्र निर्गत किया है। उन्होंने सभी प्रखंड एवं नगर अध्यक्षों, विधानसभा प्रभारियों ये सुनिश्चित करने को कहा कि सभी बीएलए-2 को अपने-अपने क्षेत्रों में बीएलओ के साथ समन्वय स्थापित कर अभियान को तेज़ी लाये और 30 जून को अपने बीएलए-2 अपने अपने बूथ में उपस्थित रहे ।

उन्होंने कहा कि प्रत्येक बूथ पर अधिक से अधिक मतदाताओं का समयबद्ध तरीके से एन्यूमरेशन फॉर्म भरवाना संगठन की प्राथमिक जिम्मेदारी है। बैठक में मनोज कुमार यादव, कालीचरण यादव, शाहिद कमर, महेन्द्र कुमार दुबे , अवध नारायण प्रसाद, मृत्युंजय सिंह, गंगा बाल्मीकि, नवीन पासवान, मनोज कुमार हाड़ी, योगेश रजक, डा. संतोष कुमार राय, शशी भूषण नाथ तिवारी, शशी तिवारी, काजल धीवर, संतोष ठाकुर, बलराम महतो, रणजीत पांडेय, श्याम कुमार साव, भगवान दास, रासबिहारी यादव, जावीर अंसारी तथा जिला कांग्रेस कार्यालय प्रभारी मधुसूदन सिंह चौधरी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित रहे।

डिजिटल बिरसा कृषि जागरूकता रथ अभियान शुरू

15 दिनों तक किसानों को देंगे आधुनिक खेती की जानकारी

खरसावां। खरसावां जिले में झारखंड सरकार के निर्देश पर शनिवार से डिजिटल बिरसा कृषि जागरूकता रथ अभियान की शुरुआत की गई. समाहरणालय परिसर से उपायुक्त नितिश कुमार सिंह के निर्देश पर दो जागरूकता रथों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया गया. इस अवसर पर जिला आपूर्ति पदाधिकारी पुष्कर सिंह मुंडा, जिला कृषि पदाधिकारी रोशन नीलकमल और जिला पशुपालन व गव्य विकास पदाधिकारी भी मौजूद रहे. दोनों रथों को जिले के सरायकेला और खरसावां अनुमंडल के लिए अलग-अलग रवाना किया गया. यह अभियान अगले 15 दिनों तक जिले की सभी ग्राम पंचायतों में चलाया जाएगा. इस दौरान जागरूकता रथ गांव-गांव पहुंचकर किसानों को कृषि से जुड़ी नई तकनीकों और सरकारी योजनाओं की जानकारी देंगे. प्रत्येक पंचायत में किसान संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा, जहां विशेषज्ञ आधुनिक खेती, उन्नत बीज, मृदा स्वास्थ्य प्रबंधन, जैविक खेती, कृषि यंत्रीकरण, जल संरक्षण, पशुपालन और डेयरी विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारियां साझा करेंगे. अभियान के दौरान किसानों को विभिन्न सरकारी कृषि योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया भी समझाई जाएगी और तकनीकी मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जाएगा, ताकि वे नई तकनीकों को अपनाकर अपनी खेती को अधिक लाभदायक बना सकें. जिला प्रशासन ने सभी किसानों से अपील की है कि जब जागरूकता रथ उनके गांव या पंचायत पहुंचे, तो वे अधिक से अधिक संख्या में कार्यक्रम में भाग लें, कृषि विशेषज्ञों से जानकारी प्राप्त करें और सरकार की योजनाओं का लाभ उठाएं।

झारखंड में परिसीमन विवाद: आदिवासी संगठनों ने बुलाई सर्वदलीय बैठक, एसटी सीटों के घटने की जताई जा रही आशंका

रांची। विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र के नये सिरे से होने वाले परिसीमन को देखते हुए विवाद अभी से बढ़ने लगा है. झारखंड में सियासी बयानबाजी के साथ-साथ विभिन्न सामाजिक संगठनों के बैनर तले प्रस्तावित परिसीमन का विरोध किया जा रहा है. इस मुद्दे पर आदिवासी संगठन जहां गोलबंद होने लगे हैं, वहीं रविवार को सभी राजनीतिक दलों की बैठक बुलाकर विरोध के स्वर तेज करने की धमकी दी गई है. सामाजिक कार्यकर्ता अनिल अमिताभ पन्ना के अनुसार, प्रेस क्लब में रविवार को बैठक होगी जिसमें विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, वर्तमान एवं पूर्व सांसद, विधायक, अधिवक्ता, शिक्षाविद्, बुद्धिजीवी, सामाजिक संगठन और आदिवासी समाज के प्रतिनिधि भाग लेने वाले हैं. जिसमें वे अपना विचार रखेंगे. उन्होंने कहा कि परिसीमन से आदिवासी सीटों के घटने की आशंका जताई जा रही है. ऐसे में आदिवासियों का क्या होगा? खासकर, जो झारखंड से इन सीटों पर प्रतिनिधित्व करते हैं, उनका क्या होगा? इस पर विचार होगा और आगे की रणनीति तय होगी. झारखंड में वर्तमान विधानसभा क्षेत्रों की सीमाएं 1971 की जनगणना के आधार पर हैं. केंद्र सरकार द्वारा पारित परिसीमन अधिनियम के तहत, झारखंड सहित पूरे देश में सीटों के पुनर्गठन को वर्ष 2026 तक के लिए यथावत रखा गया था. ऐसे में यह आशंका जताई जा रही है कि इस साल परिसीमन शुरू होगा. जाहिर तौर पर झारखंड की वर्तमान विधानसभा की कुल 81 सीटों में बदलाव होंगे. वर्तमान में कुल 81 विधानसभा की सीटों में 28 सीटें अनुसूचित जनजाति (एसटी) और 9 सीटें अनुसूचित जाति (एससी) के लिए आरक्षित हैं।

2 बार की चैंपियन उरुग्वे फुटबॉल वर्ल्ड कप से बाहर, स्पेन ने 1-0 से हराया

हुआस्टन। फीफा विश्व कप 16वें दिन फ्रांस, सेनेगल और बेल्जियम ने बड़ी जीत दर्ज की। इस जीत से फ्रांस जहां अपने ग्रुप में शीर्ष पर रहा तो सेनेगल ने नॉकआउट में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा है। दूसरी ओर केप वर्डे ने सऊदी अरब से ड्रॉ खेला, लेकिन अगले दौर में पहुंचने में सफल रहा। वहीं स्पेन ने उरुग्वे को मात दी। ग्रुप जी से बेल्जियम और मिस्र नॉकआउट दौर में पहुंचने में सफल रहे, जबकि ईरान तीसरे नंबर पर रहने के बावजूद नॉकआउट की दौड़ में बना हुआ है। 2 बार की वर्ल्ड चैंपियन उरुग्वे फुटबॉल वर्ल्ड कप के लीग स्टेज से बाहर हो गई है। टीम इस एडिशन में एक भी मैच नहीं जीत सकी। उसे शनिवार को यूरोपियन चैंपियन स्पेन ने 1-0 से हराया। इस जीत के साथ स्पेन ने ग्रुप-एच के टॉप पर रहते हुए नॉकआउट राउंड में प्रवेश किया। अब उसका सामना राउंड ऑफ-32 में ग्रुप जे की उपविजेता टीम ऑस्ट्रिया या अल्जीरिया से होगा। स्पेन के लिए मैच का एकमात्र गोल एलेक्स बाएना ने 42वें मिनट में किया। उनका शॉट उरुग्वे के अनुभवी गोलकीपर फर्नांडो मुस्लेरा रोक नहीं पाए। यह टूर्नामेंट में मुस्लेरा की तीसरी बड़ी गलती रही। 40 साल गोलकीपर ने हाफटाइम पर खुद को बदलने का अनुरोध किया, जिसके बाद दूसरे हाफ में सर्जियो रोचेट ने गोलपोस्ट संभाला।

फ्रांस ने नॉर्वे को हराकर ग्रुप-आई में टॉप किया

2 बार की चैंपियन फ्रांस, नॉर्वे और सेनेगल ने ग्रुप-आई से राउंड ऑफ 32 में जगह बना ली। दिन के सबसे चर्चित मुकाबले में फ्रांस ने नॉर्वे को 4-1 हराकर ग्रुप में टॉप पोजिशन हासिल की। नॉर्वे हार के बावजूद नंबर-2 पर रहकर नॉकआउट में पहुंचा। इस मुकाबले को एर्लिंग हालैंड और किलियन एमबाप्पे की टक्कर के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन फ्रांस की जीत के हीरो उस्मान डेम्बेले रहे। उन्होंने 7वें, 20वें और 32वें मिनट में गोल दागे। एक गोल डिजायर दुए इंजरी टाइम के चौथे मिनट में किया। मैच से पहले मुकाबले को नॉर्वे के स्टार स्ट्राइकर एरलिंग हालैंड और फ्रांस के कप्तान किलियन एम्बाप्पे की टक्कर के रूप में देखा जा रहा था, लेकिन पूरी महफिल उस्मान डेम्बेले ने लूट ली। इस जीत के साथ फ्रांस ग्रुप-आई में शीर्ष स्थान पर रहते हुए अगले दौर में पहुंच गया।

केप वर्डे नॉकआउट में पहुंचने वाला सबसे छोटा देश

केप वर्डे फुटबॉल वर्ल्ड कप के नॉकआउट में पहुंचने वाला दुनिया का सबसे छोटा देश बन गया। वह तीन अंकों के साथ दूसरे स्थान पर रहा। उसने दिन के एक अन्य मैच में सऊदी अरब के साथ गोल रहित ड्रा खेला। फीफा रैंकिंग में 19वें स्थान पर मौजूद उरुग्वे अब तक इस विश्व कप से बाहर होने वाली सबसे ऊंची रैंकिंग वाली टीम बन गई है। स्पेन के मिडफील्डर यरेमी पीनो मैच के दौरान चोटिल हुए हैं। उनके कॉलर बोन में फ्रैक्चर की आशंका है। ऐसे में वे पूरे टूर्नामेंट से बाहर हो सकते हैं। उरुग्वे के मिडफील्डर मैनुअल उगार्ते भी घुटने की चोट के कारण स्ट्रेचर पर मैदान से बाहर गए। हालांकि, उरुग्वे वर्ल्ड कप से बाहर हो गई है। इंजरी टाइम में अगस्टिन कानोब्बियो को स्पेन के डिफेंडर पाउ कुबार्सी पर खतरनाक टैकल के लिए रेड कार्ड दिखाया गया। उरुग्वे के मुख्य कोच मार्सेलो बिएल्सा ने टीम के खराब प्रदर्शन की जिम्मेदारी ली। उन्होंने कहा, 'इस समय कोई भी बहाने नहीं सुनना चाहता। इस निराशाजनक प्रदर्शन की जिम्मेदारी मेरी है। मेरे पास बेहतरीन खिलाड़ियों का समूह था, लेकिन मैं उनसे बेहतर परिणाम नहीं दिला सका।'

बेल्जियम ने न्यूजीलैंड को 5-1 से हराया

बेल्जियम ने न्यूजीलैंड को 5-1 से हराकर ग्रुप जी के टॉप पर रहते हुए नॉकआउट दौर में प्रवेश किया। वहीं, ईरान से 1-1 का ड्रॉ मैच खेलने वाली इजिप्त की टीम नंबर-2 पर रहकर अगले दौर में पहुंची। ईरान को अन्य नतीजों का इंतजार करना होगा। हार के साथ न्यूजीलैंड का अभियान समाप्त हो गया। इस वर्ल्ड कप में बेल्जियम की शुरुआत उम्मीद के मुताबिक नहीं रही थी। टीम ने पहले इजिप्त से 1-1 और फिर ईरान से गोल रहित ड्रॉ खेला। अंतिम ग्रुप मुकाबले में मिली बड़ी जीत ने उसे ग्रुप जी में पहले स्थान पर पहुंचा दिया। अब बेल्जियम का सामना बुधवार को सिएटल में सर्वश्रेष्ठ तीसरे स्थान पर रहने वाली टीमों में से एक से होगा। बेल्जियम की ओर से लिएंड्रो ट्रॉसार्ड ने दो गोल किए, जबकि केविन डी ब्रूयने, रोमेलु लुकाकू और एलेक्सिस सालेमेकर्स ने एक-एक गोल दागा। जबकि न्यूजीलैंड के लिए एलिजाह जस्ट ने टीम के लिए एकमात्र गोल किया।

सेनेगल 5-0 से इराक को हराया

ग्रुप के दूसरे मुकाबले में सेनेगल के सामने सिर्फ जीत नहीं, बल्कि बड़े अंतर से जीत दर्ज करने की चुनौती थी। टीम ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया और चौथे मिनट में हबीब डियारा ने गोल कर बढ़त दिला दी। इराक की मुश्किलें 13वें मिनट में तब और बढ़ गईं, जब रेबिन सुलाका को रेड कार्ड दिखाकर मैदान से बाहर भेज दिया गया। हालांकि, पहले हाफ में सेनेगल सिर्फ एक गोल की बढ़त बना सका, लेकिन दूसरे हाफ में उसने गोलों की झड़ी लगा दी। इस्माइला सार ने 56वें मिनट में दूसरा गोल किया। इसके बाद पापे गुएए ने 59वें और 71वें मिनट में दो शानदार गोल दागे, जबकि 82वें मिनट में इलिमान एनडियाये ने पांचवां गोल कर इराक की हार तय कर दी। सेनेगल ने 5-0 की बड़ी जीत दर्ज कर अपने गोल अंतर में भी जबरदस्त सुधार किया और नॉकआउट में पहुंचने की उम्मीदें कायम रखीं।

मिस्र और ईरान के बीच का मुकाबला1-1 से ड्रा

मिस्र और ईरान के बीच ग्रुप जी का मुकाबला 1-1 से ड्रा रहा। मिस्र इस तरह अपने ग्रुप में दूसरे स्थान पर रहा और उसने राउंड ऑफ 32 के लिए क्वालिफाई कर लिया है। ईरान तीसरे स्थान पर है, लेकिन उसका सफर अभी खत्म नहीं हुआ है। तीसरे स्थान पर रहने वाली शीर्ष आठ टीमें अगले दौर के लिए क्वालिफाई कर सकती है और ईरान इसमें छठे नंबर पर है। मैच की बात करें तो पहले हाफ में दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर चल रही थीं। सबसे पहले मिस्र के लिए महमूद साबेर ने पांचवें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई, लेकिन ईरान ने भी बराबरी हासिल करने में ज्यादा देर नहीं लगाई। ईरान के लिए रमिन रेजाइएन ने 14वें मिनट में गोल कर टीम को बराबरी दिलाई। पहले हाफ तक दोनों टीमें 1-1 की बराबरी पर ही रहीं। इसके बाद दूसरे हाफ में ईरान ने आक्रामक रुख अपनाया और अंतिम मिनटों में गोल भी किया, लेकिन वार रिव्यू में ये गोल फाउल करार दिया गया।

मनोरंजन

नेटफ्लिक्स पर मौजूद सच्ची बदले की कहानी देख खौल जाएगा खून

धुरंधर 2 को टक्कर देती है 16 एपिसोड की थ्रिलर सीरीज

नई दिल्ली। इसमें कोई दो-राय नहीं कि 'धुरंधर 2' 2025 और 2026 की सबसे सफल फ्रैंचाइजी बनकर उभरी है। फिल्म की कहानी को दर्शकों ने खूब पसंद किया और पाकिस्तान से भारत के बदले की इस कहानी ने दर्शकों को थ्रिल महसूस कराने के साथ ही उनके दिलों में भी जगह बना ली है।

अगर बदले की इस कहानी ने आपके रोंगटे किए हैं और इस तरह की कहानियां आपको पसंद है तो नेटफ्लिक्स (Netflix) पर मौजूद एक साइकोलॉजिकल थ्रिलर आपको जरूर पसंद आएगी। हालांकि यह किसी देश के बीच

बदले की कहानी नहीं है बल्कि एक आम स्कूल गर्ल की बदले की कहानी है।

यह सीरीज एक K-Drama है जो दो भागों में बनी है, इसका नाम है- 'द ग्लोरी' (The Glory)। ने टफ्लिक्स (Netflix) पर मौजूद किम यून-सूक द्वारा लिखी गई और आन गिल-हो द्वारा निर्देशित एक दक्षिण कोरियाई साइकोलॉजिकल थ्रिलर टेलीविजन सीरी है, जो बदले की कहानी पर आधारित है। इसकी मुख्य कास्ट में सॉन्ग ह्ये-क्यो, ली डो-ह्यून, लिम जी-योन, ये ओम ह्ये-रान, पार्क सुं ग-हून और जंग सुं ग-इल शामिल हैं।

क्या है इस थ्रिलिंग सीरीज की कहानी?

16 एपिसोड की यह सीरीज दो हिस्सों में बांटा गया है, इसका पहला हिस्सा 2022 में और दूसरा हिस्सा 2023 में रिलीज हुआ था। यह एक रोमांचक बदले की कहानी है जिसके कुछ सीन एक सच्ची घटना पर आधारित है। जिसमें स्कूल के कुछ स्टूडेंट्सक का ग्रुप एक लड़की से लगभग 1 साल तक पैसे ऐंठे, उसे पीटा और कई चीजों से उनसे जलाकार गहरे घाव दिए। इतना सब हो जाने के बाद भी वह लड़की हार नहीं मानती बल्कि बदला ले ने की ठान लेती है। वह प्लान बनाती है और उसी स्कूल की टीचर बन जाती है और फिर यही से शुरू होती है असली कहानी। वह तुरंत बदला ले ने के बजाय वह एक-एक करके सबको सब्र के साथ सजा देती है। हालांकि वह किस तरह उन सबसे बदला देती है? यह जानने के लिए आपको सीरीज देखनी होगी।

नुसरत फ़तेह अली खान ने 150 बार की थी दर्द भरे गाने की रिकॉर्डिंग

रुंध गया था सिंगर का गला, सुनते ही आ जाते हैं आंसू

नई दिल्ली। दिग्गज गायक उस्ताद नुसरत फतेह अली खान ने कई बेहतरीन गीत म्यूजिक इंडस्ट्री को दिए हैं। शहंशाह ए कव्वाली के नाम से मशहूर नुसरत अपने दर्द भरे गीतों के लिए भी फैंस की पहली पसंद है। एक ऐसा ही गाना उन्होंने 26 साल पहले गाया था जिसको रिकॉर्ड करते वक्त वे 150 बार इमोशनल हुए और उतनी बार वह रिकॉर्डिंग रोकनी पड़ी।

इस दर्द भरे गीत की एक लाइन इतनी इमोशनल थी कि उस पर नुसरत फतेह अली खान (Nusrat Fateh Ali Khan) 150 बार इमोशनल हुए और उतनी ही बार रिकॉर्डिंग को रोकना पड़ा। हालांकि इतनी बार रूकने के बावजूद उन्होंने उसे अपनी रुहानी आवाज में ही गाया। यह किस्सा है 2000 में रिलीज हुई हिट फिल्म धड़कन का जिसके बोल हैं- दूल्हे का सेहरा (Dulhe Ka Sehra)। इस गाने को

शिल्पा शेट्टी की विदाई के वक्त फिल्माया था और इसी वजह से यह गाना दुल्हन की विदाई के वक्त के लिए हर जगह बजाया जाने लगा। यहां आज 26 साल बाद भी यह टाइमलेस बना हुआ है। इस गाने के बोल लिरिसिस्ट समीर ने लिखे थे और उन्होंने इसका खुलासा करते हुए एक इंटरव्यू में बताया, 'इस गाने की एक लाइन नुसरत फतेह अली खान ने डेढ घं टेतक गाई, जैसे ही वह लाइन आती नुसरत साहब रोने लगते ।

14 साल के बेटे की बात सुनकर शिल्पा शेट्टी बोलीं- लगा, अब सच में जिंदगी में कुछ हासिल किया है

'मॉम, क्या लगती हैं आप?'

नई दिल्ली। हर सफलता की कहानी सिर्फ तालियों और शोहरत से नहीं बनती। इसके पीछे ऐसे दौर भी होते हैं जब मौके छूटते हैं, फैसले गलत साबित होते हैं और फिर खुद को साबित करना पड़ता है। शिल्पा शेट्टी की कहानी भी ऐसी ही रही।

एक तस्वीर से मॉडलिं ग की शुरुआत, पहली फिल्म बंद होने का झटका, करियर में ठहराव और फिर वापसी- उन्होंने हर मोड़ पर खुद को खड़ा किया। इसी सफर में बे टेकी तारीफ ने उन्हें एहसास कराया कि असली सफलता सिर्फ नाम नहीं, बल्कि हर दौर में प्रासंगिक बने रहना है। शिल्पा शेट्टी की सफलता की कहानी सीधे 'बाजीगर' से शुरू नहीं हुई थी। कम लोग जानते हैं कि उनकी पहली फिल्म 'गाता रहे मे रा दिल' थी, जिसमें उनके साथ रोनित रॉय और रोहित रॉय थे। फिल्म की शूटिंग शुरू हो चुकी थी और ट्रे ड

मैगजीन में उनकी तस्वीर के साथ बॉलीवुड डे ब्यूकी घोषणा भी हो गई थी। लेकिन रिलीज से पहले ही फिल्म बंद हो गई। इसे यश चोपड़ा के असिस्टेंट रह चुके डायरेक्टर दिलीप नाइक ने डायरेक्ट किया था। नए कलाकार के लिए पहली फिल्म का बंद होना करियर खत्म होने जैसा हो सकता था, लेकिन शिल्पा के साथ उल्टा हुआ। उसी ट्रेड मैगजीन में छपी उनकी तस्वीर इंडस्ट्री के लोगों की नजर में आई और उन्हें 'बाजीगर' का ऑफर मिला। 'बाजीगर' की सक्सेस के बाद शिल्पा शेट्टी 'मैं खिलाड़ी तू अनाड़ी', 'छोटे सरकार', 'आओ प्यार करें', 'हथकड़ी', 'औजार' और 'परदेसी बाबू' जैसी फिल्मों का हिस्सा रहीं और दर्शकों के बीच लोकप्रिय हुईं।

एक तस्वीर ने बदल दी शिल्पा की जिंदगी

8 जून 1975 को कर्नाटक के मं गलु में जन्मीं शिल्पा शेट्टी का असली नाम अश्विनी शेट्टी है। उनका परिवार बाद में मुंबई आ गया, जहां उनकी पढ़ाई हुई। शुरुआती दिनों में उनकी जिंदगी फिल्मों और ग्लैमर से अलग थी। पढ़ाई पूरी करने के बाद वह पिता के काम में हाथ बंटाती थीं और उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वह फिल्मों की दुनिया का जाना-पहचाना चेहरा बनें गी।

इसी दौरान उन्हें एक फैशन शो में हिस्सा ले नेका मौका मिला। उनकी मौजूदगी ने लोगों का ध्यान खींचा। शो में मौजूद एक फोटोग्राफर ने उनकी तस्वीरें खींचीं और बाद में उन्हीं के जरिए उन्हें मॉडलिंग के ऑफर मिलने लगे। धीरे-धीरे विज्ञापनों और फोटोशूट्स का सिलसिला शुरू हुआ और यहीं से मनोरंजन जगत में सफर शुरू हुआ।

16 साल की उम्र में शिल्पा ने 1991 में पहली बार लिम्का के लिए मॉडलिंग की।

फिल्म 'बाजीगर' से जुड़ा किस्सा शेयर करते हुए शिल्पा शेट्टी कहती हैं- लोग आज भी उस सीन की बात करते हैं जिसमें मैं गिरते हुए मुस्कुरा रही हूं। उस समय वीएफएक्स नहीं हुआ करता था। हमने वो सीन कई बार शूट किया था। आज भी ध्यान से देखें तो उसमें इस्तेमाल हुई स्ट्रिंग दिखाई देती है। लेकिन उससे सीखा कि फिल्में सिर्फ पैसों से नहीं बनतीं, उनमें आत्मा होनी चाहिए। 'बाजीगर' में वही बात थी।

प्रभास-अनुष्का ने 'बाहुबली 3' पर लगाई मुहर

नेटफ्लिक्स डॉक्यूमेंट्री में कर दिया खुलासा!

नई दिल्ली। 'बाहुबली' और 'बाहुबली 2' ने भारतीय सिनेमा को दुनियाभर में एक अलग पहचान दिलाने का काम किया था। वहीं बाहुबली 2 के आखिर में बाहुबली के सिंहासन पर बैठ जाने के बाद लोगों को लगा था कि कहानी खत्म हो गई है। लेकिन अब फिल्म के लीड कलाकारों ने फैंस को एक बड़ी खुशखबरी दे दी है, जिससे 'बाहुबली 3' के ऑफिशियल बनने की खबर पर लगभग मुहर लग चुकी है। 'बाहुबली 3' (Baahubali 3) को लेकर नई अटकलें तब शुरू हुईं जब डॉक्यूमेंट्री 'बाहुबलीः द टॉर्चबियरर' का एक वायरल क्लिप सामने आया। इस क्लिप में प्रभास, राणा दग्गुबाती और अनुष्का शेट्टी इस फ्रैंचाइजी की एक और फिल्म की ओर इशारा करते हुए दिखे। क्लिप में राणा कहते हैं, 'हो सकता है कि दुनिया अभी इसके लिए तैयार न हो, लेकिन बाहुबली जरूर आएगी...' इसके बाद प्रभास (Prabhas) तीन उंगलियां दिखाते हैं और मुस्कुराते हैं, जिससे अनु ष्का समे त सोफे पर बैठे सभी लोग हं सनेलगते हैं। यह पल फैंस के बीच चर्चा का विषय बन गया है, खासकर इसलिए क्योंकि क्लिप इन शब्दों के साथ खत्म होती है, 'और यह विरासत जारी रहे गी'।

इस क्लिप के वायरल होने के बाद फैंस के बीच खलबली मच गई। एक ने लिखा, 'बाहुबली 3 आधिकारिक तौर पर बन रही है ! इं तजार आखिरकार खत्म होने वाला है।

संक्षिप्त खबर

गुजरातः खेड़ा की अवैध पटाखा फैक्ट्री में जोरदार धमाका, 6 लोग घायल

अहमदाबाद। गुजरात के खेड़ा जिले के कपडवंज में एक अवैध पटाखा फैक्ट्री में शनिवार को विस्फोट हो गया। बताया जा रहा है कि इस घटना में 5 से 6 लोग घायल हुए हैं। पुलिस और दमकल विभाग जांच में जुट गए हैं। डंपिंग स्टेशन के सामने स्थित इस कारखाने में हुआ धमाका इतना शक्तिशाली था कि उसकी आवाज और कंपन से आसपास के गांवों की धरती भी हिल गई। धमाके की गति इतने तेज थी कि जिस इमारत में यह फैक्ट्री चल रही थी, वह पल भर में ढहकर मलबे में तब्दील हो गई। इस हादसे में पांच से छह लोगों के गंभीर रूप से घायल होने की खबर है। धमाके की आवाज सुनकर घटनास्थल पर लोगों की भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने घायलों को तत्काल इलाज के लिए पास के अस्पताल में पहुंचाने की व्यवस्था की। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और दमकलकर्मी तुरंत मौके पर पहुंच गए। फिलहाल, दमकलकर्मी दल युद्धस्तर पर बचाव अभियान चला रहा है और मलबे को हटाकर यह सुनिश्चित करने की कोशिश कर रहा है कि कोई और व्यक्ति मलबे के नीचे न फंसा हो। गौरतलब है कि दो दिन पहले ही खेड़ा एसओजी ने वासो गांव में एक अवैध पटाखा कारखाने का भंडाफोड़ किया था। कपडवंज में हुई इस दूसरी बड़ी घटना ने व्यवस्था और सुरक्षा व्यवस्था की कार्यप्रणाली पर कई सवाल खड़े कर दिए हैं। रिहायशी इलाके में या उसके आसपास इस तरह की खतरनाक और अवैध गतिविधियां कैसे चल रही थीं, यह जांच का विषय बन गया है। इस घटना के बाद पूरे जिले में भय का माहौल है। पुलिस ने मामला दर्ज कर आगे की कानूनी जांच शुरू कर दी है और साथ ही अन्य ऐसी अवैध इकाइयों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है। पुलिस यह पता लगाने के लिए भी जांच कर रही है कि इस दुर्घटना के पीछे किसकी लापरवाही है और कौन बिना लाइसेंस के इस कारखाने का संचालन कर रहा था।

शोएब अख्तर के भाई के जनाजे में दिखे लश्कर के आतंकी, फिर खुली पाकिस्तान की पोल

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व गेंदबाज शोएब अख्तर के बड़े भाई शाहिद अख्तर के अंतिम संस्कार को लेकर नया विवाद खड़ा हो गया है। सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे वीडियो और तस्वीरों में आतंकी संगठन लश्कर-ए-तैबा के राजनीतिक विंग के शीर्ष नेताओं और मुंबई हमले (26/11) के मास्टरमाइंड हाफिज सईद के करीबियों को कतार में खड़े होकर प्रार्थना करते देखा गया। दरअसल, शोएब अख्तर के बड़े भाई शाहिद अख्तर को इस्लामाबाद के एच-8 कब्रिस्तान में उन्हें सुपुर्द ए खाक किया गया है। शाहिद जनाजे में खेल जगत और राजनीति जगत से जुड़े लोग भी मौजूद थे। इसको लेकर पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग ने एक वीडियो जारी किया है, जिसमें प्रतिबंधित आतंकी संगठन 'लश्कर-ए-तैयबा' से जुड़े आतंकी दिखाई दे रहे हैं। वीडियो ने पाकिस्तान में आतंकियों को मिलने वाले खुले संरक्षण को लेकर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर चिंताएं बढ़ा दी हैं कि पाकिस्तान में आतंकवादियों को किस तरह सुरक्षित पनाहगाह मिल रही है। पीएमएमएल के इस्लामाबाद प्रमुख इनाम-उर-रहमान कंबोह अंतिम संस्कार से सामने आई तस्वीरों में मौजूद था। इसके अलावा, पीएमएमएल के उप महासचिव अब्दुल्ला तूर, पीएमएमएल के क्षेत्रीय महासचिव हाफिज उमर, खिदमत समिति के अध्यक्ष अमजद भट्टी और अन्य लोग मौजूद थे। वीडियो में उन्हें कतार में खड़े होकर दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करते हुए दिखाया गया। बताते चलें कि पीएमएमएल पार्टी आतंकी हाफिज सईद के समर्थन से बनी पार्टी मानी जाती है। क्योंकि उसके संगठन लश्कर-ए-तैयबा पर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लगातार प्रतिबंध लग चुका है। पाकिस्तानी मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, शाहिद अख्तर का तीन दिन पहले दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। अपने परिवार में आई इस दुखद घटना की पुष्टि करते हुए शोएब ने एक पोस्ट में कहा, हमें यह बताते हुए बहुत दुख हो रहा है कि मेरे प्यारे बड़े भाई शाहिद अख्तर अल्लाह सुभान व तआला के पास लौट गए हैं। नमाज-ए-जनाजा का समय और स्थान सुबह सूचित किया जाएगा। हालांकि, उन्होंने अपने भाई के अंतिम संस्कार में लश्कर-ए-तैबा के प्रतिनिधियों की उपस्थिति को लेकर हो रही हालिया आलोचना का जवाब नहीं दिया है।

मध्य प्रदेशः मुरैना में पति ने पत्नी और दो मासूम बच्चों को कुल्हाड़ी से काटा, फिर ट्रेन से कटकर दी जान

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुरैना में पति-पत्नी के बीच हुए आपसी झगड़े ने पति इतना आक्रोशित हो गया कि उसने अपने दो मासूम बच्चों व पत्नी को कुल्हाड़ी से काट दिया और खुद भी ट्रेन से जाकर कट गया। यह घटना माता बसैया थाना क्षेत्र के किशनपुर गांव में घटित हुई। इस हत्याकांड का पता शनिवार की सुबह पड़ोसियों को लगा तो पुलिस को सूचना दी पुलिस मौके पर पहुंचकर छानबीन कर रही है। जानकारी के मुताबिक किशनपुर गांव निवासी बलराम पुत्र हरिचरण कुशवाह का अपनी पत्नी रविता उम्र 30 साल से विवाद चल रहा था। जिसकी वजह से वह कुछ दिन से अपने मायके कुतवार गांव में रह रही थी। दो दिन पहले ही बलराम व अन्य लोग पंचायत के बाद उसे किशनपुर गांव लाये थे। शुक्रवार की रात बलराम और रविता में फिर विवाद हो गया। जिससे आक्रोशित बलराम ने रविता और अपने बच्चों आरव उम्र 10 साल व अतुल उम्र 7 साल पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ प्रहार कर मौत के घाट उतार दिया। इसके बाद खुद घर से भाग गया। सुबह जब बलराम के घर के दरवाजे नहीं खुले तो पड़ोसियों ने देखा तो घर के आंगन में मां और दो बच्चों के रक्तरंजित शव पड़े थे। जिस पर पुलिस को सूचना दी गई। उधर, शनिवार की सुबह पता चला कि शिकारपुर फाटक के पास जाकर बलराम ने भी ट्रेन के सामने जाकर खुदकुशी कर ली। पुलिस अभी मौके पर पड़ताल कर रही है। बताया जा रहा है कि मृतक बलराम अपनी पत्नी रविता के चरित्र पर शक करने लगा था। कुछ दिन पहले किशनपुर में आयोजित भागवत कार्यक्रम के दौरान रविता ने मंच पर डांस किया था। कार्यक्रम में मौजूद किसी करीबी व्यक्ति ने उसका वीडियो बनाकर बलराम को भेज दिया। वीडियो देखने के बाद बलराम के मन में पत्नी को लेकर संदेह गहराने लगा और यह आए दिन उससे विवाद करने लगा। विवाद बढ़ने पर रविता कुछ समय के लिए अपने मायके भी चली गई थी, लेकिन इसके बावजूद बलराम की नाराजगी और नफरत कम नहीं हुई। बताया जाता है कि उसने डांस का वीडियो अपने करीबी रिश्तेदारों को भी भेजा और पत्नी के बारे में आपत्तिजनक व भला-बुरा लिखकर मैसेज भी भेजे।

कर्नाटक में सड़क हादसाः नियंत्रण खोकर डिवाइडर पर हुआ ट्रक, फिर वैन से टकराया, 4 श्रद्धालुओं की मौत

कोप्पल। कर्नाटक के कोप्पल जिले में एक ट्रक सड़क के डिवाइडर को पार कर एक वैन टकराया। जिसमें चार तीर्थयात्रियों की मौत हो गई। वहीं, चार बच्चों सहित कई अन्य घायल हो गए। यह जानकारी पुलिस ने दी है। पुलिस के अनुसार, यह दुर्घटना कुकनूर तालुक के भानुर के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-63 पर हुई। हावेरी जिले के रत्तीहल्ली तालुक के कब्बर गांव के सभी पीड़ित आंध्र प्रदेश के कुरनूल जिले के मंत्रालयम की तीर्थयात्रा पर थे, तभी यह दुर्घटना हुई। पुलिस के अनुसार, ट्रक कथित तौर पर नियंत्रण से बाहर हो गया, डिवाइडर को पार कर गया और सामने से आ रही वैन से टकरा गया, जिसके कारण यह घातक दुर्घटना हुई। मृतकों की पहचान केंचम्मा बालेकायी (35), अमृता कोट्याल (25), रमेश बल्लारी (45) और प्रवीण (23) के रूप में हुई है। इस दुर्घटना में वैन में सवार कई लोग घायल हो गए। पुलिस ने बताया कि घायलों में चार बच्चे भी शामिल हैं और दो पीड़ितों की हालत गंभीर है। घायलों को कोप्पल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। पुलिस ने दुर्घटनास्थल का मुआयना किया और कुकनूर पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया।

अगले साल भारत आएंगे डोनाल्ड ट्रंप

अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो बोले- ट्रेड डील भी होने वाली है फाइनल

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अगले साल (2027) की शुरुआत में भारत दौरे पर आएंगे। अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रूबियो ने ये जानकारी दी। उन्होंने कहा, ट्रंप अगले साल की शुरुआत में भारत का दौरा करेंगे। मैं राष्ट्रपति के दौरे को अंतिम रूप देने के लिए भारत जा रहा हूं. रूबियो ने कहा, ट्रंप और मोदी के संबंध अच्छे हैं. भारत अमेरिका और वेनेजुएला से बातचीत कर रहा है. हम सप्लाई बढ़ाने पर काम कर रहे हैं. रूबियो ने ये भी कहा कि भारत और अमेरिका के बीच ट्रेड डील जल्द ही फाइनल होने वाली है. अमेरिकी विदेश मंत्री ने कहा कि भारत दुनिया के उन चुनिंदा देशों में से एक है, जिनमें भारी कच्चे तेल को रिफाइन करने की क्षमता है. ट्रंप प्रधानमंत्री मोदी के प्रशंसक है. पीएम मोदी ने भारत को एक वैश्विक शक्ति बनाया है. भारत में अमेरिका के राजदूत सर्जियो गोर ने कहा कि भारत और अमेरिका एक द्विपक्षीय व्यापार समझौते के करीब हैं और अब बस कुछ ही मुद्दों को सुलझाना बाकी है. उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका असीम संभावनाओं वाले स्वाभाविक साझेदार हैं. गोर ने आगे कहा कि पीएम मोदी और राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच करीबी व्यक्तिगत संबंध भारत-अमेरिकी रिश्तों की नींव हैं और दोनों नेता एक जैसा सोचते हैं।

आखिरी बार कब भारत आए थे ट्रंप?

ट्रंप ने पिछली बार फरवरी 2020 में भारत का दौरा किया था, जब वे अहमदाबाद में नमस्ते ट्रंप कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी के साथ शामिल हुए थे. ट्रंप और पीएम मोदी लगातार संपर्क में रहे हैं. हाल ही में दोनों नेताओं की मुलाकात फ्रांस में जी-7 समिट के दौरान हुई थी. पीएम मोदी के साथ मुलाकात में ट्रंप ने कहा कि भारत और अमेरिका ट्रेड डील पर सहमत होने के करीब हैं.

पिछले साल ट्रंप के भारत पर टैरिफ लगाने की घोषणा के बाद दोनों देशों के रिश्तों में तनाव आ गया था. हाल ही में अमेरिकी सेना द्वारा तीन भारतीय नाविकों की हत्या ने रिश्तों को और मुश्किल बना दिया. ये नाविक ओमान की खाड़ी में एक हमले में मारे गए. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जी7 समिट में ट्रंप के साथ हुई अपनी मुलाकात में होर्मुज में काम कर रहे भारतीय नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था. दोनों नेताओं ने ट्रेड डील पर भी बातचीत की. पत्रकारों से बात करते हुए, ट्रंप ने मोदी को सख्त बातचीत करने वाला बताया और जल्द ही भारत का दौरा करने का वादा किया. अमेरिका-भारत रक्षा संबंधों के बारे में पूछे जाने पर ट्रंप ने कहा कि अगर भारत पर हमला हुआ तो अमेरिका उसकी मदद करेगा. मोदी का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि अगर कोई उस व्यक्ति पर हमला करता है, तो हम वहां मौजूद रहेंगे, लेकिन अगर कोई नया नेता आता है, तो मुझे इसके बारे में कुछ नहीं कह सकता. पिछले साल फरवरी में पीएम मोदी अमेरिका दौरे पर गए थे. उन्होंने व्हाइट हाउस में ट्रंप से मुलाकात की थी. तब से उनके बीच कई बार फ़ोन पर बातचीत हुई, लेकिन मुलाकात लंबे समय के बाद फ्रांस में हुई।

मंदिर, रेलवे स्टेशन को निशाना बना सकते हैं खालिस्तानी आतंकी

खुफिया विभाग ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली। खुफिया विभाग ने उत्तराखंड से लेकर दिल्ली तक आतंकी हमले का अलर्ट जारी किया है। सूत्रों के अनुसार आतंकी उत्तराखंड और दिल्ली के मंदिरों को टारगेट कर सकते हैं। अलर्ट के मुताबिक, आने वाले दिनों में खालिस्तानी आतंकी बड़ा हमला कर सकते हैं। वह सरकारी संस्थान, रेलवे स्टेशन और पुलिस को भी टारगेट कर सकते हैं। एक ईमेल के मिलने के बाद से उत्तराखंड पुलिस, इंटेलिजेंस एजेंसियां और दिल्ली पुलिस अलर्ट पर हैं। ईमेल में कई मन्दिरों के नाम, कई ऑफिस और पॉलिटिकल नेताओं को टारगेट के बारे में भी लिखा है। दिल्ली पुलिस भी अब इस ईमेल की जांच में जुटी है। अलर्ट मिलने के बाद उत्तराखंड पुलिस, खुफिया एजेंसियों और दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा उपायों को बढ़ा दिया है और संवेदनशील स्थानों पर निगरानी तेज कर दी है।

भारत ही नहीं फ्रांस भी झूठा

सभी 36 राफेल जेट के टेंडर से बौखलाए पूर्व पाकिस्तानी उच्चायुक्त, निकाली खीज

इस्लामाबाद। भारतीय वायुसेना ने अपने सभी 36 राफेल लड़ाकू विमानों के मेंटेनेंस के लिए ब्रिज सपोर्ट टेंडर जारी किया है। इससे पाकिस्तान के उस दावे को धक्का पहुंचा है, जिसमें कहा गया था कि पाक आर्मी ने बीते साल मई की लड़ाई में कुछ राफेल विमानों को मार गिराया था। ऐसे में अब पाकिस्तानी अपने दावे के पक्ष में नए तर्क गढ़ रहे हैं और सबको झूठा बताते हुए अपनी बात को सच कह रहे हैं। पाकिस्तान के पूर्व राजनयिक अब्दुल बासित ने अपनी बात को जायज ठहराने के चक्कर में पूरे टेंडर को ही फर्जी करार दे दिया है। जर्मनी में राजदूत और भारत में पाकिस्तान के उच्चायुक्त रहे अब्दुल बासित ने आरोप लगाया है कि राफेल विमानों के रखरखाव से जुड़े टेंडर और इंडिया एयरफोर्स के आधिकारिक दस्तावेज सच नहीं है। उन्होंने तो राफेल बनाने वाली कंपनी को भी झूठा बता दिया है। बासित ने कहा है कि भारत इस मामले पर सच छुपा रहा है और राफेल बनाने वाली फ्रांस की डसॉल्ट कंपनी अपने हितों के लिए भारत का साथ दे रही है। अब्दुल बासित का कहना है कि भारत के दस्तावेज गलत हैं तो डसॉल्ट भी झूठ बोल रही है। उनका कहना है कि इस पूरे मामले में सिर्फ पाकिस्तान का राफेल गिरा देने का दावा ही सही है। बासित ने दावा किया कि खुद डसॉल्ट ने तकनीकी खराबी से एक राफेल के गिरने की बात कही थी। ऐसे में कॉन्ट्रैक्ट 36 के बजाय 35 का होना चाहिए था लेकिन ऐसा नहीं है। बासित ने एक टीवी चैनल पर

बोलते हुए दावा किया, 'पाकिस्तान ने भारत के कुछ जेट बीते साल मई की लड़ाई में मार गिराने का दावा किया था। भारत के पास उस वक्त 36 राफेल जेट थे और अब भी उनकी एयरफोर्स 36 जेट के लिए टेंडर जारी कर रही है। ऐसा लगता है कि इसमें कुछ छिपाया जा रहा है, जिसमें राफेल बनाने वाली कंपनी भी शामिल है। फ्रांस से खरीदे गए सभी 36 राफेल फाइटर जेट के लिए अस्थायी सपोर्ट व्यवस्था के लिए भारतीय वायु सेना के हालिया टेंडर ने पाकिस्तान के उन बार-बार किए जा रहे दावों को गलत साबित कर दिया है, जिनमें कहा गया था कि पिछले साल ' ऑपरेशन सिंदूर ' के दौरान कई विमान नष्ट हो गए थे। भारतीय सैन्य अधिकारियों ने पहले ही इन दावों को खारिज किया था लेकिन पाकिस्तान का कहना था कि संघर्ष के दौरान कई राफेल फाइटर जेट मार गिराए गए थे। टेंडर जारी होने से पाकिस्तान के दुनियाभर में विमान गिराने को लेकर फैलाए गए प्रोपेगैंडा का गुब्बारा फूट गया है। जून में जारी एयर हेडक्वार्टर के 'रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल' के अनुसार, कथित सेवा में मौजूद सभी 36 राफेल विमानों के लिए पांच महीने के 'ब्रिज सपोर्ट पैकेज' के लिए बोलियां आमंत्रित की हैं। 'ब्रिज सपोर्ट पैकेज' एक शॉर्ट-टर्म कॉन्ट्रैक्ट है, जिसका मकसद लंबे समय के लिए मेंटेनेंस एग्रीमेंट फाइनल होने तक विमानों की उपलब्धता, लॉजिस्टिक्स सहायता और मेंटेनेंस सपोर्ट सुनिश्चित करना है।

एमडीएमके ने डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन से तोड़ा नाता, 9 साल बाद अलग होने का फैसला

नई दिल्ली। मारुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कड़गम (एमडीएमके) ने डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन (एसपीए) से अलग होने का फैसला कर लिया है. इससे दोनों दलों के बीच 9 साल पुराना गठबंधन टूट गया है. एमडीएमके के महासचिव वाइको की अध्यक्षता में चेन्नई में हुई पार्टी की बड़ी बैठक में यह फैसला लिया गया. बैठक में प्रस्ताव पास करके आधिकारिक तौर पर डीएमके गठबंधन से अलग होने की घोषणा

कर दी गई. ये कदम 2026 के तमिलनाडु विधानसभा चुनाव में डीएमके के नेतृत्व वाले स्ड्य की करारी हार के बाद उठाया गया है. इस चुनाव में एक्टर से नेता बने सी. जोसेफ विजय की पार्टी 'तमिलगा वेट्री कड़गम' (टीवीके) राज्य की सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी. प्रस्ताव में एमडीएमके ने कहा कि वह इस गठबंधन में इसलिए शामिल हुई और बनी रही क्योंकि वह तमिलनाडु में ''सांप्रदायिक राजनीतिक ताकतों'' को पैर पसारने से रोकने के लिए ''वैचारिक रूप से प्रतिबद्ध'' थी. इस प्रस्ताव में बताया गया कि 3 दिसंबर, 2017 को एक हाई-लेवल कमेटी का प्रस्ताव पास होने के बाद से ही एमडीएमके, डीएमके के नेतृत्व वाले गठबंधन का हिस्सा रही है।

चंपत राय से बड़ा भ्रष्ट कोई नहीं: दिग्विजय

कहा- 12 करोड़ लोगों के चंदे का कोई हिसाब नहीं

नई दिल्ली। अयोध्या के राम मंदिर में चढ़ावा चोरी का मामला इन दिनों सुर्खियों में बना हुआ है. सत्ता पक्ष इस मामले को लेकर लगातार केंद्र और राज्य सरकार पर हमलावर है. इस बीच मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दिग्विजय सिंह का बयान सामने आया है. उन्होंने चढ़ावा चोरी को लेकर सरकार और मंदिर ट्रस्ट प्रबंधन पर जमकर निशाना साधा. जानकारी के मुताबिक दिग्विजय सिंह शनिवार (27 जून) को उज्जैन पहुंचे. इस दौरान उन्होंने महाकाल मंदिर के दर्शन किए और स्थानीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात. इसके साथ ही उन्होंने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस भी की. मीडिया से बात करते हुए राम मंदिर में हुए चंदा चोरी को लेकर सरकार पर गंभीर आरोप लगाए. उन्होंने चंपत राय सहित कई मुद्दों पर खुलासे किए. सिंह से इस घटना की निंदा करते हुए इसे बेहद दुखद बताया. कांग्रेस नेता ने कहा कि भारत के इतिहास में आजादी के पहले और आजादी के बाद पहली बार ऐसी हुकूमत आई है, जिसकी हुकूमत में मंदिर की दान राशि में घोटाला हो रहा. उन्होंने श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव पद से इस्तीफा देने वाले चंपत राय पर तीखा हमला करते हुए कहा कि चंपत राय से बड़ा बेईमान और भ्रष्ट कोई नहीं है. पूर्व मुख्यमंत्री ने कहा कि भगवान राम के मंदिर में जमकर चंदा चोरी की गई. लगभग साढ़े 12 करोड़ लोगों ने चंदा दिया. वहीं पहले दिए चंदे का आज तक कोई हिसाब नहीं. उन्होंने कहा कि शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख उद्धव ठाकरे ने जो एक करोड़ रुपए दिए और चांदी की शिलाएं दी उनकी रसीद और हिसाब अब तक नहीं मिला. सिंह ने कहा कि यह आरएसएस मॉडल ऑफ गवर्नेंस है. उन्होंने आरोप लगाया कि आरएसएस और विश्व हिंदू परिषद अयोध्या में चंदा चोरी करने वालों को बचाने में लगे हुए हैं. उन्होंने कहा कि एसआईटी की रिपोर्ट के बाद अयोध्या में एफआईआर हुई और दोषियों को रिमांड पर लिए जाने की बजाय उन्हें गिरफ्तार कर सीधे जेल भेज दिया गया. उन्होंने कहा कि यह लोग सनातन धर्म का विनाश कर रहे हैं और सनातनियों के साथ धोखा कर रहे हैं. दरअसल इस पूरे विवाद की शुरुआत 7 जून को हुई थी, जब समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने राम मंदिर चढ़ावे में कथित गड़बड़ियों का मुद्दा उठाया था. इस खबर के बाद हड़कंप मच गया था. इसके बाद ट्रस्ट के अनुरोध पर 13 जून को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने एसआईटी का गठन किया गया. एसआईटी ने 23 जून को अपनी प्रारंभिक रिपोर्ट सरकार को सौंपी. 25 जून को रात इस मामले में एफआईआर दर्ज हुई और 26 जून को अयोध्या पुलिस ने 8 नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी की पुष्टि की. वहीं श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सदस्य चंपत राय और अनिल मिश्रा ने अपने पद से इस्तीफा सौंप दिया है।

गद्दारों से पूछो विश्वासघात क्यों किया

बागी सांसदों पर बरसे उद्धव ठाकरे , बीजेपी को भी घेरा

मुंबई। शिवसेना (यूबीटी) में हालिया बगावत के बाद सूबे की राजनीति गरमा गई है. इस बीच पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने शनिवार (27 जून) को यवतमाल दौरे के दौरान बागी नेताओं और केंद्र सरकार पर तीखा हमला बोला. कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि असली शिवसैनिक आज भी उनके साथ हैं. ठाकरे ने कहा कि उन्हें इस बात पर शर्म आती है कि बागी नेता इतने लंबे समय तक पार्टी में बने रहे. उद्धव ठाकरे ने कहा कि विधायक भले चले गए हों, लेकिन शिवसेना आज भी मजबूत है. उन्होंने कहा कि लोकसभा चुनाव में पार्टी 9 सांसद जीतकर आई. उन्होंने पाला बदलकर शिंदे गुट में शामिल होने वाले सांसदों पर निशाना साधते हुए कहा कि गद्दारों से पूछो कि जिन लोगों ने खून-पसीना बहाकर उन्हें जिताया, उन्होंने उन्हीं के साथ विश्वासघात क्यों किया। ठाकरे ने दावा किया कि बागी सांसदों ने लोकसभा चुनाव उनके प्रचार अभियान और जन समर्थन के कारण जीता है. उन्होंने कहा 'ये सांसद सिर्फ मेरे कहने पर चुने गए थे. आज इनमें इतनी हिम्मत आ गई कि कहते हैं

क्षेत्र का दौरा करना बेकार है, जबकि ये इसलिए जीते क्योंकि मैंने इनके लिए दौरे किए थे'. उन्होंने दावा किया कि बीजेपी सांसदों को तोड़कर अपनी संख्या बढ़ाना चाहती है और लोकतांत्रिक मूल्यों को कमजोर कर रही है. बीजेपी पर हमला करते हुए शिवसेना (यूबीटी) प्रमुख ने कहा कि हम अब राम को बीजेपी-मुक्त करना चाहते हैं और इसके लिए आंदोलन करेंगे.राम मंदिर में हुए कथित चढ़ावा चोरी के मामले का जिक्र करते हुए ठाकरे ने कहा कि बीजेपी ने हिंदुत्व के साथ विश्वासघात किया है. उन्होंने कहा कि जब राम मंदिर बन रहा था, तब हमने ईंटें दान की थीं और अब मंदिर में चोरी की खबरें सामने आ रही हैं. उन्होंने कहा कि मंदिरों को लूटने वाले हमारे हिंदुत्व का हिस्सा नहीं हैं. उन्होंने कहा कि विकास निधि (डेवलपमेंट फंड) किसी एक पार्टी की जागीर नहीं है। यह जनता का पैसा है. उद्धव ठाकरे ने आगे कहा कि कहा कि स्क्र(स्पेशल इंटेंसिव रिवीजन) प्रक्रिया शुरू हो रही है. अगर पासपोर्ट को भी नागरिकता का प्रमाण नहीं माना जाएगा, तो क्या अब बीजेपी की सदस्यता को नागरिकता माना जाएगा?. उन्होंने सवाल किया कि क्या बीजेपी अब 'पाकिस्तान जनता पार्टी' बन गई है?. वहीं किसानों के मुद्दे पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री रहते हुए उन्होंने किसानों के लिए कर्जमाफी की थी और आज भी किसानों के हितों के लिए लड़ते रहेंगे.उन्होंने कहा 'आज किसानों को रुद्ध की गारंटी नहीं मिल रही, लेकिन ये नकारा और नौसिखिए सांसद अपनी सीट पक्की समझ बैठे हैं. उद्धव के साथ दौरे पर वरिष्ठ नेता अनिल देसाई और अरविंद सावंत भी मौजूद थे. सावंत ने सांसदों के पाला बदलने पर सवाल उठाए. उन्होंने कहा 'लोकसभा में हमारे 9 और राज्यसभा में 2 सांसद थे. आपको ऐसी क्या दिक्कत थी कि पार्टी छोड़नी पड़ी? जबकि पार्टी ने आपके साथ कोई अन्याय नहीं किया'. उन्होंने आरोप लगाया कि मीडिया ने उजागर किया कि इन्होंने सांसद निधि का इस्तेमाल तक नहीं किया. ये बिकाऊ और भ्रष्ट हैं. उन्होंने कहा कि ये महाराष्ट्र पर कलंक हैं. बीजेपी ने पूरे देश में यह भ्रष्टाचार शुरू किया है।

बालोतरा पुलिस की बड़ी कार्रवाई: अवैध बजरी खनन पर कार्रवाई

चमकता राजस्थान

बालोतरा। बालोतरा जिले में अवैध बजरी खनन और परिवहन के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत बालोतरा पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए एक डंपर, एक बिना नंबर की जेसीबी और पांच ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कर सात आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अलग-अलग स्थानों पर कुल पांच प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस अधीक्षक रमेश कुमार (आईपीएस) ने बताया कि जिले में अवैध खनन पर पूरी तरह रोक

लगाने और इस कारोबार में संलिप्त लोगों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक हरफूल सिंह, वृताधिकारी बाबूलाल मुरारिया एवं गिरधर सिंह के सुपरविजन में थाना जसोल और सिणधरी पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई को अंजाम दिया।

पहली कार्रवाई में 25 जून को थाना जसोल पुलिस ने किटनोद-कनाना मार्ग पर नाकाबंदी के दौरान अवैध बजरी से भरे बिना नंबर के ट्रैक्टर-ट्रॉली को जब्त कर चालक पुखराज को गिरफ्तार किया। दूसरी कार्रवाई में उसी क्षेत्र में एक अन्य बिना नंबर ट्रैक्टर-ट्रॉली से अवैध बजरी परिवहन करते हुए चालक रमेश मेगवाल को गिरफ्तार किया गया। तीसरी कार्रवाई 25-26 जून की रात को पुराना बोरावास स्थित लूणी नदी के बहाव क्षेत्र में की गई। यहां बिना नंबर की जेसीबी से डंपर में अवैध बजरी भरते हुए पुलिस ने मौके पर दबिश देकर जेसीबी और डंपर को जब्त किया तथा चालक विक्रम और रोशन खां को गिरफ्तार कर लिया।

चौथी कार्रवाई में थाना सिणधरी पुलिस ने पायला कला क्षेत्र में लूणी नदी से अवैध बजरी का खनन और परिवहन करते हुए तीन ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त कीं। इस दौरान बाबूलाल, हरिराम और कानाराम को गिरफ्तार किया गया।

संक्षिप्त समाचार

नरेगा श्रमिकों को किया वित्तीय जागरूक

- सुकन्या समृद्धि से लेकर साइबर फ्रॉड तक दी जानकारी

चमकता राजस्थान/रामसिंह मीणा रघुनाथपुरा। बड़ीसादड़ी। भारतीय रिजर्व बैंक के वित्तीय समावेशन व विकास विभाग द्वारा संचालित वित्तीय साक्षरता केंद्र द्वारा डूंगला उपखंड की ग्राम पंचायत बिलोट के भुरकिया खुर्द में शिविर का आयोजन किया गया। डूंगला ब्लॉक के फील्ड कोऑर्डिनेटर किशन लाल गमेती ने नरेगा श्रमिकों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी

शिविर में सुकन्या समृद्धि योजना, अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, जन धन खाता व रुपे कार्ड की उपयोगिता के बारे में बताया गया। इसके अलावा साइबर फ्रॉड से बचाव के लिए हेल्पलाइन नंबर 1930 की जानकारी दी गई। श्रमिकों को बचत के विभिन्न विकल्प आरडी, एफडी तथा सही जगह निवेश करने के बारे में भी समझाया गया

शिविर में बड़ी संख्या में महिला-पुरुष श्रमिकों ने भाग लिया। इस अवसर पर नरेगा मेट राधेश्याम, दौलत सिंह, राजेंद्र सिंह, बालू भील उपस्थित रहे। श्रमिकों ने जागरूकता शिविर के लिए आयोजकों का धन्यवाद ज्ञापित किया

गुड़ामालानी में विश्नोई समाज की बैठक आज, शिक्षा, नशामुक्ति और छात्रावास विकास पर होगी चर्चा

चमकता राजस्थान/बालोतरा। गुड़ामालानी क्षेत्र के विश्नोई समाज की महत्वपूर्ण बैठक रविवार, 28 जून को दोपहर 12 बजे गुड़ामालानी मंदिर परिसर स्थित सभा भवन में आयोजित होगी। बैठक में समाज के प्रबुद्धजन, पंच, सरपंच एवं कमेटी के सदस्यों को आमंत्रित किया गया है, जबकि कमेटी सदस्यों की उपस्थिति अनिवार्य रहेगी। बैठक में समाज के बिगड़ते सामाजिक ताने-बाने पर विस्तृत विचार-विमर्श किया जाएगा। साथ ही छात्रावास को शुरू करवाने की कार्ययोजना, युवाओं में बढ़ती नशे की प्रवृत्ति पर रोक लगाने के उपाय, छात्रावास परिसर में गार्डन विकसित करने तथा निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने संबंधी विषयों पर चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए जाएंगे। बैठक का आयोजन जम्भेश्वर सेवा संस्थान, गुड़ामालानी की ओर से किया जा रहा है। संस्थान के सचिव ने समाज के सभी प्रमुखजनों से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाने की अपील की है। अध्यक्ष मानाराम पुनिया के निर्देशानुसार यह सूचना जारी की गई है।

छाछ वितरण का आयोजन

चमकता राजस्थान/जयपुर। निर्जला एकादशी के अवसर पर शास्त्री नगर मे छाछ वितरण का आयोजन किया गया, कार्यक्रम आयोजक करण सिंह चौहान ने बताया की, करीब 600 लीटर छाछ का वितरण किया गया,जिसमे सभी श्याम भक्तो ने बढ़ चढ़कर अपना योगदान दिया।

चैतर वसावा के समर्थन में AAP का शक्ति प्रदर्शन: कवांट में सपोर्ट रैली, सजा के खिलाफ उग्र विरोध

चमकता राजस्थान/छोटाउदपुर। छोटाउदपुर जिले के कवांट में आम आदमी पार्टी (AAP) द्वारा विधायक चैतर वसावा सहित 9 लोगों को हुई 7 साल की सजा के विरोध में एक विशाल सपोर्ट रैली का आयोजन किया गया।

जिला अध्यक्ष राधिका राठवा के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकर्ता और पदाधिकारी इस रैली में शामिल हुए। कवांट शहर में आयोजित इस सपोर्ट रैली के जरिए सजा के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया गया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष राधिकाबेन राठवा ने कहा, ₹चैतर वसावा पूरी तरह से निर्दोष हैं और उन्हें गलत तरीके से जेल भेजा गया है।₹ उन्होंने आगे कहा कि इस मामले में हाई कोर्ट से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक कानूनी लड़ाई लड़ी जाएगी और न्याय के लिए हर संभव प्रयास किए जाएंगे। इस सपोर्ट रैली के दौरान कार्यकर्ताओं ने शांतिपूर्ण तरीके से अपना विरोध जताया और चैतर वसावा को न्याय दिलाने की मांग की।

अनाथ बच्चों की शिक्षा का संपूर्ण खर्च उठाने की घोषणा, समाजसेवी सोनू परमार ने पेश की मिसाल

चमकता राजस्थान

धौलपुर रामदास तरुण। धौलपुर जिले की बसेड़ी तहसील की ग्राम पंचायत रतनपुर के भैरो का नगला निवासी युवा समाजसेवी सोनू परमार ने अनाथ बच्चों की शिक्षा को लेकर एक प्रेरणादायक पहल की है। उन्होंने पत्रकार प्रेस वार्ता के दौरान पुनः अपनी घोषणा दोहराते हुए कहा कि जिले में जिन बच्चों के माता-पिता नहीं हैं, और जो पढ़ाई जारी रखना चाहते हैं, उनकी शिक्षा का पूरा खर्च वे स्वयं वहन करेंगे। उन्होंने बताया कि 24

जून को आयोजित दशहरा मिलन समारोह में भी उन्होंने यह घोषणा की थी, जिसे अब अमल में लाने की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है।सोनू परमार ने कहा कि वे शीघ्र ही एक कार्यालय की स्थापना करेंगे, तथा अपना संपर्क नंबर सोशल मीडिया के माध्यम से सार्वजनिक कर रहे हैं, ताकि जरूरतमंद बच्चे अथवा उनके अभिभावक उनसे सीधे संपर्क कर सकें। उनका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है, कि आर्थिक अभाव या माता-पिता के न होने के कारण किसी भी बच्चे की शिक्षा बाधित न हो। उन्होंने कहा कि शिक्षा ही समाज और राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य की सबसे मजबूत नींव है। यदि किसी जरूरतमंद बच्चे को पढ़ने का अवसर मिलता है, तो वह आगे चलकर समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकता है। क्षेत्र के लोगों ने सोनू परमार की इस मानवीय पहल की सराहना करते हुए इसे समाज के लिए प्रेरणादायक कदम बताया। लोगों का कहना है, कि अपने लिए तो हर व्यक्ति जीवन जीता है, लेकिन जो दूसरों के जीवन में उम्मीद की रोशनी जगाता है, उसका योगदान समाज लंबे समय तक याद रखता है। समाजसेवी सोनू परमार की यह घोषणा जिले में शिक्षा और सामाजिक सेवा के क्षेत्र में एक सकारात्मक संदेश देने वाली पहल मानी जा रही है।

प्रजापति समाज भवन का लोकार्पण, भामाशाहों का हुआ सम्मान

- देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत ने किया लोकार्पण, समाज भवन को बताया सामाजिक एकता का केंद्र

चमकता राजस्थान/चुरु सांवदाता अशोक प्रजापति/बीदासर। कस्बे के दड़ीबा क्षेत्र में प्रजापति समाज द्वारा नव निर्मित प्रजापति समाज भवन का शनिवार को भव्य समारोह में लोकार्पण किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ वैदिक मंत्रोच्चार एवं विधि-विधान से पूजा-अर्चना के साथ हुआ।

समारोह के मुख्य अतिथि राजस्थान सरकार के देवस्थान, गोपालन, पशुपालन एवं डेयरी विभाग मंत्री जोराराम कुमावत ने समाज भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर समाज के विकास एवं भवन निर्माण में सहयोग देने वाले भामाशाहों का साफा एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मान किया गया।समारोह में सूरतगढ़ विधायक डूंगरराम गेदर, फुलेरा के पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, डॉ. मुरली मनोहर जाखड़ा (बीकानेर), सेवानिवृत जिला शिक्षा अधिकारी धन्नाराम प्रजापत नगरपालिका अध्यक्ष सीताराम भोभरिया, जगदीश माहर, चम्पालाल गेदर तथा राजेन्द्र प्रजापत, समाजसेवी उमाना राम मिणोठियां एवं रोहित प्रजापति विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रजापति समाज अध्यक्ष सागरमल सोकल ने की। उन्होंने समाज भवन को सामाजिक एकता, शिक्षा, सांस्कृतिक एवं सामुदायिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र बताते हुए सभी भामाशाहों एवं समाजजनों का आभार व्यक्त किया इस अवसर पर समाज के पूर्व अध्यक्ष किशनलाल भोभरिया, हनुमान छापोला, मदनलाल बोरावड़, नथूराम भोभरिया, भँवरलाल मारोठिया, पूसाराम लाडुना, अमरचंद किरोड़ीवाल, प्रहलाद रेवड़ियां, नन्दलाल छापोला, उदाराम नाराणिया, रामअवतार मारोठिया, ताराचन्द कारगवाल, नानूराम रेवाड़िया सहित बड़ी संख्या में समाजबंधु एवं गणमान्य नागरिक मौजूद रहे। कार्यक्रम का संचालन रविशंकर छापोला एवं सीए मनोज कुमार रेवाड़ियां ने किया।

टीम राजीव अरोड़ा द्वारा प्रतिमाह आयोजित संकल्प सिद्धि गांधी भजन संध्या: गांधी विचारों की जीवंत परंपरा

चमकता राजस्थान/जयपुर। जयपुर के आतिश मार्केट में आज 'संकल्प सिद्धि गांधी भजन संध्या' का पांचवां संस्करण पूरी गरिमा के साथ संपन्न हुआ। टीम राजीव अरोड़ा द्वारा प्रतिमाह आयोजित यह कार्यक्रम अब शहर की एक पहचान बनता जा रहा है। पूर्व राज्यमंत्री श्री राजीव अरोड़ा के मार्गदर्शन में चल रही इस पहल का उद्देश्य महात्मा गांधी के भजनों और विचारों के माध्यम से समाज में सद्भाव और नैतिक मूल्यों का संचार करना है। आज के आयोजन की विशेष बात यह रही कि पूर्व राज्यमंत्री का प्रेरणादायी संदेश डॉ. नितिन शारदा भगेरिया ने मंच से पढ़कर सुनाया। संदेश में गांधी जी के 'सत्य, अहिंसा और स्वच्छता' के सिद्धांतों को आज के दौर में और भी प्रासंगिक बताया गया। कार्यक्रम में स्थानीय नागरिकों, व्यापारियों और गणमान्य जनों ने बड़ी संख्या में भाग लिया। गांधी जी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि के बाद भजन गायन शुरू हुआ, जिसमें 'वैष्णव जन तो तेने कहिए' और 'रघुपति राघव' जैसे भजनों ने पूरे माहौल को भक्तिमय बना दिया।

टीम राजीव अरोड़ा का यह प्रयास सराहनीय है कि वे हर माह एक सार्वजनिक स्थल पर इस आयोजन के जरिए नई पीढ़ी को बापू के विचारों से जोड़ रहे हैं। यह भजन संध्या केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि गांधी दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प है। ऐसे आयोजनों से ही 'संकल्प से सिद्धि' का मार्ग प्रशस्त होता है। आज के आयोजन में सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम सिंह पंवार, दीपक धीर, भावना धीर, वीरेंद्र गोदीवाल, बाबू बैराठी, नीरज चतुर्वेदी, सुशीला जैन इत्यादि उपस्थित रहे।

हृदय रोगों के निदान में एक्सरे ईसीजी का अहम रोल

चमकता राजस्थान/जयपुर। इंडियन इंस्टीट्यूट आफ़ होम्योपैथिक फिजिशियंस राजस्थान द्वारा न्यू सांगानेर रोड स्थित एक्सपर्ट लैब में एक्सरे ईसीजी की कार्यशाला आयोजित की गई। आई आई एच पी राजस्थान के महा सचिव डॉ मुकेश गुप्ता ने बताया कि इस कार्यशाला में सवाई मान सिंह अस्पताल के हृदय रोग विशेषज्ञ डॉ सुनील शर्मा एवम रेडियोलॉजिस्ट डॉ विकास झंवर ने आजकल बढ़ रहे हृदय रोगियों के सही से निदान करने के बारे मे विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि हमें मरीज के सिम्पटम्स का सही से अध्ययन करना चाहिए और तुरंत ईसीजी जांच करवाना चाहिए और मरीज को हिलाना डुलाना नहीं चाहिए और एस्प्रिन की गोली देकर तुरंत अस्पताल भेजना चाहिए। इस दौरान जय करण चारण,डॉ अशोक लाडूना, डॉ अंजू कोठारी, डॉ अजय यादव, डॉ सुनीता गुप्ता, डॉ मो अमान, डॉ आजाद सिंह, डॉ विनोद शर्मा, डॉ अंशु अग्रवाल, डॉ रिया शर्मा, डॉ निशिता सोनी,डॉ उमर, डॉ राजेंद्र सिंह सहित कई अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

सेमारी पुलिस थाना परिसर में उछऋ बैठक आयोजित: साइबर ठगी और ट्रैफिक नियमों के प्रति किया जागरूक

चमकता राजस्थान/सेमारी। सेमारी स्थानीय पुलिस थाना परिसर में शनिवार सीएलजी सामुदायिक पुलिसिंग समूह के सदस्यों और ग्रामीणों की एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई इस बैठक में क्षेत्र की सुरक्षा कानून व्यवस्था और जन-जागरूकता को लेकर विस्तृत चर्चा हुई बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में सलूम्बर जिला पुलिस अधीक्षक (रढ) विशनाराम बिश्नोई उपस्थित रहे उनके साथ सराडा वृत्ताधिकारी (डिप्टी रढ) चांदमल सिंगारिया वृत्ताअधिकारी सेजल शेखावत सराडा और सेमारी थाना अधिकारी गोपाल कृष्ण परमार भी मंच पर मौजूद रहे बैठक में बड़ी संख्या में क्षेत्र के प्रबुद्ध नागरिक सीएलजी सदस्य और स्थानीय युवा शामिल हुए व्यापार मंडल अध्यक्ष नरेन्द्र कुमार जैन,भाजपा संयोजक राजेन्द्र कुमार कलाल, सदकड़ी सरपंच प्रतिनिधि सतीश मीणा, इंटाली सरपंच नारायण मीणा, समस्त जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे साइबर ठगी से बचने के दिए टिप्स बैठक को संबोधित करते हुए एसपी विशनाराम बिश्नोई ने वर्तमान में बढ़ रहे साइबर अपराधों पर गहरी चिंता व्यक्त की उन्होंने ग्रामीणों और युवाओं को सचेत करते हुए कहा कि किसी भी अनजान व्यक्ति को अपना ओटीपी (OTP) या बैंक डिटेल शेयर न करें

एमएसएमई दिवस: राजीव अरोड़ा के नेतृत्व में राजस्थान के सूक्ष्म-लघु उद्योगों को मिली नई उड़ान

चमकता राजस्थान

जयपुर। आज एमएसएमई दिवस पर राजस्थान के हजारों निर्यातक और उद्यमी अशोक गहलोत सरकार के कार्यकाल को कृतज्ञता से याद कर रहे हैं। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार ने एमएसएमई क्षेत्र को प्राथमिकता देते हुए राजस्थान निर्यात संवर्धन परिषद का गठन किया, जिसके चेयरमैन राजीव अरोड़ा बनाए गए। अरोड़ा पहले राजस्थान लघु उद्योग निगम के अध्यक्ष भी रह चुके थे।

उनके नेतृत्व में परिषद ने

निर्यातकों को वैश्विक मंच देने के लिए ठोस कदम उठाए। जुलाई 2023 में केन्या के नैरोबी में इंडो ईस्ट अफ्रीका ट्रेड एक्सपो में राजस्थान के निर्यातकों की सफल भागीदारी करवाई गई। जोधपुर में विश्वस्तरीय कन्वेंशन एवं एक्जीबिशन सेंटर की प्रक्रिया शुरू की गई, ताकि यहीं से अंतरराष्ट्रीय एक्सपो हो सकें। मार्च 2023 में जोधपुर में अंतरराष्ट्रीय व्यापार मेले का आयोजन तय किया गया, जिससे फर्नीचर, कृषि प्रसंस्करण, इंजीनियरिंग उत्पादों को विदेशी खरीदार मिले। अरोड़ा का विजन था कि 'गांव का छोटा दस्तकार भी खुद निर्यातक बनेर। इसके लिए 'निर्यातक बनो मिशन' शुरू किया गया, ताकि लघु कुटीर उद्योगी बिचौलियों पर निर्भर न रहें। गहलोत सरकार की नीतियों से 2017-18 में 46,476 करोड़ का निर्यात 2022-23 में 77,771 करोड़ पहुंच गया। आज जब एमएसएमई दिवस मना रहे हैं, राजस्थान का हर छोटा उद्यमी उस दौर को याद करता है जब नीति, नीयत और नेतृत्व तीनों ने मिलकर 'लोकल टू ग्लोबल' का सपना साकार किया। इसीलिए प्रदेश के निर्यातक आज भी कामना करते हैं कि एमएसएमई हितैषी गहलोत सरकार फिर लौटे।

14.70 करोड़ रुपये के MPLADS फंड पर सवाल; सरकारी डैशबोर्ड पर खर्च 'शून्य' होने का दावा

विकास कार्यों की बजाय प्रचार पर जोर? सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे से स्पष्टीकरण की मांग

चमकता राजस्थान

अरविंद कोठारी/कल्याण। कल्याण लोकसभा क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार द्वारा सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे को सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास योजना (MPLADS) के तहत 14.70 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। हालांकि, सरकारी टढछअऊ डैशबोर्ड पर इस राशि का खर्च 'शून्य' दर्शाए जाने का दावा किया जा रहा है। इस दावे को लेकर विपक्ष और कुछ स्थानीय नागरिकों ने गंभीर सवाल उठाए हैं। आरोप है कि क्षेत्र के विकास के लिए उपलब्ध कराए गए करोड़ों रुपये के फंड का अब तक किसी भी विकास कार्य पर उपयोग होता दिखाई नहीं दे रहा है। इस दावे के सामने आने के बाद सड़कों, पेयजल आपूर्ति, जल निकासी व्यवस्था और अन्य बुनियादी सुविधाओं के विकास को लेकर भी सवाल खड़े किए जा रहे हैं।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि जब विकास के लिए पर्याप्त धन उपलब्ध है, तो उसका असर ज़मीनी स्तर पर दिखाई देना चाहिए। लोगों का सवाल है कि यह निधि वास्तव में विकास कार्यों पर खर्च की जा रही है या फिर इसका उपयोग केवल प्रचार-प्रसार तक ही सीमित है।

इस बीच, सांसद डॉ. श्रीकांत शिंदे को मिले 'संसद रत्न' सम्मान को लेकर भी कुछ लोगों ने सवाल उठाए हैं। उनका कहना है कि यदि विकास निधि के उपयोग न होने का दावा सही है, तो यह सम्मान आखिर किस उपलब्धि के आधार पर दिया गया? इसे लेकर सांसद से स्पष्टीकरण की मांग की जा रही है।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक अभय सिंह चौहान के लिए एम बी प्रिंटर्स, सी 74 सुदर्शन पूरा, जयपुर से मुद्रित एवं 1ए देवी नगर विस्तार, देवी नगर गली नं. 6 जयपुर 302019 से प्रकाशित। सम्पादक : अभय सिंह चौहान,
मोबाइल : 9314505000 (पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार) कार्यकारी संपादक : खलील कुरैशी, मोबाइल : 7891542929